वाराणसी
शुक्रवार 26 दिसम्बर से गुरुवार 01 जनवरी 2026
वर्ष : 1 अंक : 19
मूल्य : 4.00 रुपए
पृष्ठ : 8
PRGI No. UPHIN/25/A2219

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

उजाला संचार

info@ujalasanchar.com

वाराणसी से प्रकाशित तथा लखनऊ, बरेली, कानपुर, प्रयागराज, चंदौली, सोनभद्र, मिर्जापुर बलिया, जौनपुर, गाजीपुर, मऊ, आजमगढ़, गोरखपुर, भदोही, देवरिया सहित यूपी, बिहार, दिल्ली से प्रसारित

मौसम
सूर्योदय : 6.25
सूर्यास्त : 5.07

पीएम मोदी ने राष्ट्र प्रेरणा स्थल का किया उद्घाटन

बोले- पहले एक परिवार की मूर्तियां लगती थीं, आज हर विभूति को सम्मान मिल रहा

लखनऊ। पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल का उद्घाटन किया। यहां उन्होंने जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं. दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी की मूर्तियों का अनावरण करके पुष्पांजलि अर्पित की।

पीएम मोदी ने कहा- पहले एक परिवार की मूर्तियां लगती थीं, आज हर विभूति को सम्मान मिल रहा है। पहले एक ही परिवार का गौरव-गान होता था। भाजपा ने हर किसी के योगदान को सम्मान दिया।

मोदी ने ये भी कहा कि आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा दिल्ली के कर्तव्य पथ है। अंडमान में नेताजी ने जहां पर तिरंगा फहराया, वहां उनकी प्रतिमा है। कोई नहीं भूल सकता है कि अंबेडकर की विरासत को मिटाने का प्रयास किया गया। दिल्ली के शाही परिवार ने इसे मिटाने का प्रयास किया। यहां सपा ने भी ऐसा किया, लेकिन भाजपा ने इसे मिटने नहीं दिया।

प्रेरणा स्थल पर 65-65 फीट ऊंची दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी और अटल बिहारी वाजपेयी की मूर्तियां लगाई गई हैं। हर एक प्रतिमा 42 टन वजनी है। प्रेरणा स्थल 65 एकड़ क्षेत्र में 230 करोड़ रुपए की लागत से बना है। साल 2022 में इसका निर्माण शुरू हुआ था।

प्रेरणा स्थल में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी की 65-65 फीट ऊंची मूर्तियां लगाई गई हैं।

प्रेरणा स्थल में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी की 65-65 फीट ऊंची मूर्तियां लगाई गई हैं।

दिल्ली के एक शाही परिवार ने बाबा साहब आंबेडकर का जिक्र इसलिए नहीं किया कि कहीं उनके महत्व में कमी न आ जाए। प्रदेश में यही काम सपा ने किया।

कांग्रेस ने बीजेपी को अछूत बनाए रखा, लेकिन बीजेपी के संस्कार सभी का सम्मान करना सिखाते हैं। हमारी सरकार ने प्रणव मुखर्जी को भारत रत्न दिया, मुलायम सिंह को भी सम्मानित किया।

लखनऊ की धमक पूरे विश्व में है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता में ब्रह्मोस मिसाइल का बहुत बड़ा योगदान है। इस मिसाइल का निर्माण लखनऊ में हो रहा है। पीएम मोदी ने कहा- कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने राजनीतिक रूप से भाजपा को अछूत बनाए रखा। भाजपा का संस्कार हमें सभी का सम्मान करना सिखाता है। नरसिम्हा राव व प्रणव बाबू को भारत रत्न दिया गया। ये हमारी सरकार है, जिसने मुलायम सिंह व तरुण गोगोई को राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया।

कांग्रेस से या सपा से कोई भी ऐसी उम्मीद नहीं कर सकता। इन लोगों के राज में तो भाजपा के नेताओं को सिर्फ अपमान ही मिलता था। भाजपा के डबल इंजन सरकार को बहुत फायदा यूपी को हो रहा है। यूपी 21वीं सदी के भारत में अपनी अलग पहचान बना रहा है। मेरा सौभाग्य है कि मैं यूपी से सांसद हूं। यूपी के मेहनतकश लोग एक नया भविष्य लिख रहे हैं। आज यूपी की चर्चा विकास के लिए होती है। यूपी पर्यटन मानचित्र पर तेजी से उभर रहा है। अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम, दुनिया में यूपी की नई पहचान बन रहा है। राष्ट्र प्रेरणा स्थल जैसे स्थान यूपी की नई पहचान बन रही है। यूपी सुशासन समृद्धि के रूप में और बुलंदी हासिल करे। इसी कामना के साथ फिर से राष्ट्र प्रेरणा स्थल की बधाई।

पीएम मोदी ने करीब 32 मिनट भाषण दिया। उन्होंने आखिरी में तीनों नेताओं के नारे लगवाए। फिर वंदे भारत की जयकारे भी लगवाए।

अटल जी ने विकास के विजन के साथ देश को बढ़ाया : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने लोकभवन स्थित अटल जी की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। सीएम ने महामना मदन मोहन मालवीय और राजा बिजली पासी की जयंती पर उन्हें नमन किया और क्रिसमस की भी बधाई दी। सीएम योगी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी की आज पावन जयंती है। प्रदेश की राजधानी लखनऊ से प्रतिनिधित्व करते हुए

उन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में देश को विकास के नए विजन के साथ बढ़ाने का कार्य किया। यह वर्ष विशेष है, अटल जी के जन्मशताब्दी महोत्सव का आयोजन पूरे देश में हर्षोल्लास से मनाया जा रहा है। अटल की कविताओं के काव्य पाठ, उनके लेखन पर वाद-विवाद, पत्रकारिता, संसद और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अटल जी महत्वपूर्ण भाषण आदि को लेकर पूरे देश में शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थाओं में अनेक कार्यक्रम भी हुए। सीएम योगी ने कहा कि अटल जी की पैतृक भूमि उत्तर प्रदेश के आगरा के बटेश्वर में है। उनकी उच्च शिक्षा कानपुर में हुई और सार्वजनिक जीवन की शुरूआत बलरामपुर से हुई थी।

गाजीपुर में खूनी संघर्ष, 2 युवकों की हत्या

हमलावरों ने बर्थडे पार्टी से लौट रहे 3 युवकों को घेरकर मारा, एक अभी भी लापता, गांव में तनाव

गाजीपुर। गाजीपुर में दो युवकों की हत्या कर दी गई है। एक युवक की गोली मारकर हत्या की गई है और धारदार हथियार से गर्दन को रेता गया है, जबकि हमलावरों ने दूसरे को लाठी-डंडों और धारदार हथियार काटा है। एक आंख भी फोड़ दी। एक युवक का शव तालाब के पास मिला है। जबकि दूसरे युवक की लाश तालाब में गुरुवार दोपहर में मिली। एक युवक अभी भी लापता है। गोताखोर उसकी तलाश कर रहे हैं। उधर, परिजन ने शव को ले जाने से इनकार कर दिया है। लोग सड़क जाम कर सुबह से हंगामा कर रहे हैं।

सौरभ, मृतक — विक्की, मृतक

घटना के बाद से गांव में तनाव है। गांव में 50 से अधिक पुलिसवाले तैनात हैं। स्थिति को संभालने के लिए एसपी डॉ.ईरज राजा स्वयं मौके पर हैं और लोगों को समझा रहे हैं। वारदात एशिया के सबसे बड़े गांव गहमर की बुधवार देर रात करीब 11 बजे की है। इस वारदात की वजह करीब डेढ़ महीने पहले दुर्गा पूजा के दौरान दो पक्षों में हुए विवाद को माना जा रहा। गहमर गांव के खेलू राय पट्टी में तीन महीने पहले नवरात्रि पर दुर्गा पूजा का आयोजन किया गया था। इस दौरान 27 सितंबर को डीजे पर डांस को लेकर दो गुटों का विवाद हो गया था। गांववालों के अनुसार, शैलेंद्र और विपिन का दूसरे गुट के युवकों विक्की सिंह, सौरभ सिंह, अंकित सिंह से विवाद हो गया था। दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई थी।

यूपी में भीषण कोहरा, मेरठ सबसे ठंडा, पारा 4.6 डिग्री

100 ट्रेनें लेट, 10 फ्लाइट कैंसिल, नए साल में और पड़ेगी सर्दी

लखनऊ। यूपी में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे का कहर जारी है। प्रयागराज, अयोध्या समेत 50 से ज्यादा जिले घने कोहरे की चपेट में हैं। सुबह-सुबह कई जिलों में विजिबिलिटी शून्य से 10 मीटर के बीच रही। लखनऊ में बारिश जैसा कोहरा पड़ा। जरूरी काम से घर से बाहर निकले लोगों के कपड़े भीग गए। कोहरे की वजह से सड़क से लेकर रेलवे और हवाई सफर तक प्रभावित हुआ। लखनऊ, प्रयागराज समेत तमाम रेलवे स्टेशनों पर 100 से ज्यादा ट्रेनें 2 से 10 घंटे की देरी चल रही हैं। वहीं, अयोध्या-काशी समेत कई एयरपोर्ट पर 10 से ज्यादा उड़ानें कैंसिल करनी पड़ीं। उन्नाव, हरदोई और सीतापुर में अलग-अलग सड़क हादसों में 20 लोग घायल हो गए। इनमें 7 की हालत गंभीर बताई जा रही है।

ओडिशा में 1 करोड़ का इनामी नक्सली मारा गया

कंधमाल में 2 महिलाओं समेत 6 नक्सली ढेर

गणेश उईके

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के पड़ोसी राज्य ओडिशा के कंधमाल में सुरक्षाबलों ने एनकाउंटर में 6 नक्सलियों को मार गिराया है। इनमें 1 करोड़ से ज्यादा का इनामी सेंट्रल कमेटी मेंबर गणेश उईके भी शामिल है। दो महिला नक्सली भी मारी गई हैं। मारे गए नक्सलियों के शव और हथियार बरामद कर लिए गए हैं। सुरक्षाबलों को कंधमाल जिले के चाकापाड़ इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी का इनपुट मिला था। इसी इनपुट के आधार पर 23 टीमों को ऑपरेशन के लिए भेजा गया था। इनमें 20 स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप, दो सीआरपीएफ और एक बीएसएफ टीमें शामिल थीं। यह ऑपरेशन कंधमाल जिले के चाकापाड़ थाना क्षेत्र और गंजाम जिले के राम्भा वन क्षेत्र में चलाया गया। आज यानी 25 दिसंबर को अभियान के दौरान अलग-अलग स्थानों पर माओवादियों और एसओजी जवानों के बीच कई बार गोलीबारी हुई।

आज पूरी दुनिया कान खोलकर सुनती है कि भारत क्या बोल रहा है: राजनाथ सिंह

लखनऊ। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्र प्रेरणा स्थल के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को राष्ट्र प्रेरणा स्थल के निर्माण के लिए बधाई देते हुए कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारत की एकता और अखंडता के लिए लंबा संघर्ष किया और धारा 370 के विरोध में अपने प्राणों का बलिदान किया। उन्होंने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी के इस सपने को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरा किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज भारत की आर्थिक और वैश्विक हैसियत अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच चुकी है। उन्होंने दावा किया कि देश में महंगाई दर एक प्रतिशत से नीचे है और विकास दर आठ प्रतिशत से आगे बढ़ रही है।

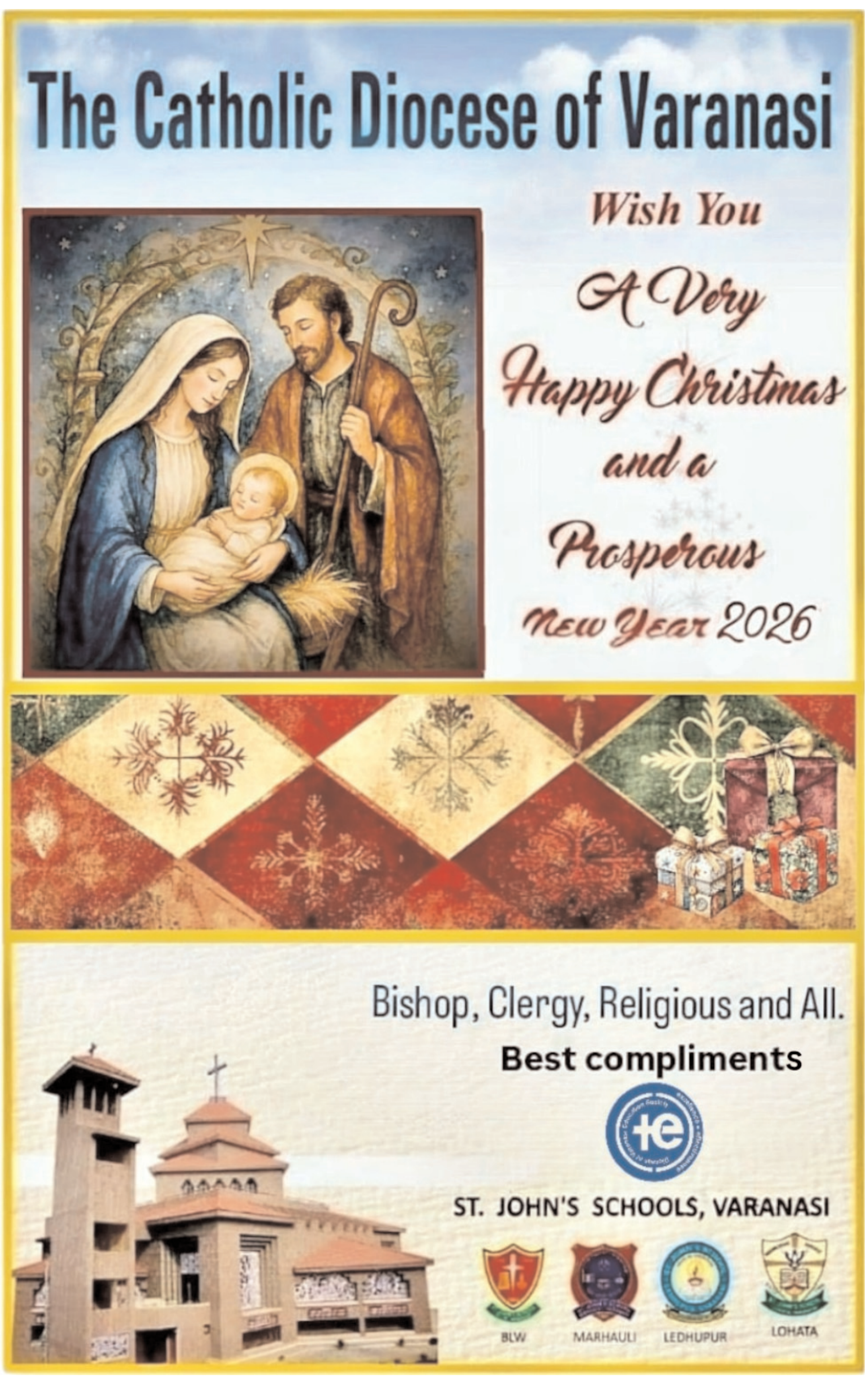

चित्रदुर्ग में लॉरी से टक्कर के बाद बस में लगी आग, 12 लोगों की मौत

चित्रदुर्ग। गुरुवार सुबह कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले के गोरलाथु गांव के पास एक लॉरी से टक्कर के बाद एक निजी बस में आग लग गई, जिसमें 12 से अधिक लोग जलकर मर गए। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर लॉरी ने बस को टक्कर मार दी, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई। इस हादसे में कई लोग घायल भी हुए हैं, जिन्हें हिरियूर और चित्रदुर्ग के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। हालांकि, अधिकारियों को आशंका है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। इस बीच, उत्तर पूर्वी रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) बीआर रविकांत गौड़ा और चित्रदुर्ग के पुलिस अधीक्षक (एसपी) रंजीत कुमार बंदारू समेत वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं।

बस में 32 लोग सवार थे और यह बेंगलुरु से शिवमोग्गा जा रही थी। यह बस सी बर्ड नामक एक निजी सेवा कंपनी की थी। कर्नाटक

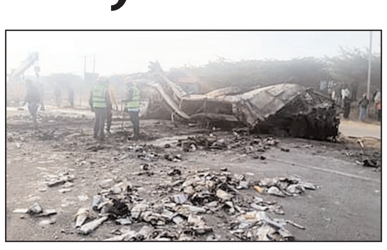

सीएम और डिप्टी सीएम ने जताया दुख

के मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया, चित्रदुर्ग के पास एक लॉरी और बस की भीषण टक्कर में कई यात्रियों के जलकर मर जाने की दुखद खबर सुनकर दिल कांप गया है। क्रिसमस की छुट्टियों में घर जा रहे लोगों की यात्रा का इस तरह दुखद अंत होना बेहद दर्दनाक है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए गहन जांच होनी चाहिए। मैं मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं। इस दुर्घटना में अपनों को खोने वाले परिवारों के दुख में मैं उनके साथ हूं।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने ट्वीट किया, बेंगलुरु से गोकर्ण जा रही बस और ट्रक के बीच हिरियूर के पास हुए हादसे की खबर से गहरा सदमा लगा है, जिसमें कई लोग जलकर मर गए। मैं मृतकों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल जल्द स्वस्थ हो जाएं। ईश्वर करे कि ऐसी त्रासदी दोबारा न हो। शुरूआती रिपोर्टों से पता चलता है कि हिरियूर ग्रामीण पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में तड़के हुई यह दुर्घटना लॉरी चालक की लापरवाही के कारण हुई। लॉरी डिवाइडर पार करके बस से टकरा गई, जिसके परिणामस्वरूप आग लग गई और 12 से अधिक लोगों की जान चली गई।

संक्षिप्त समाचार

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती धूमधाम से मनाया गया

वाराणसी। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न से सम्मानित श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती। आज दिनांक 25 दिसंबर 2025 को भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेई जी का जन्मदिन प्राइमरी स्कूल मण्डुवाडीह (अंग्रेजी माध्यम) में श्रद्धा सुमन अर्पित करके मनाया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पूनम मौर्य जी की उपस्थिति और उनके विचारों ने इस कार्यक्रम को और भी महत्वपूर्ण बना दिया। विद्यालय प्रधानाध्यापिका सरिता राय जी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। पंचायत सदस्य,समस्त बूथ लेवल आफिसर, ग्राम वासियों और समस्त विद्यालय परिवार की उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को सफल बनाया। यह कार्यक्रम न केवल श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के आदर्शों को याद करने का अवसर था, बल्कि युवाओं को उनके जीवन और कार्यों से प्रेरणा लेने का भी अवसर प्रदान करता है।

प्रभु यीशु के जन्मोत्सव पर जगमगाया मुगलसराय

पीडीयूनगर। क्राइस्ट द किंग चर्च भव्य रूप से सजा प्रभु यीशु के जन्म उत्सव (क्रिसमस) को लेकर मुगलसराय स्थित क्राइस्ट द किंग चर्च को आकर्षक रोशनी सजावट और फूलों से भव्य रूप से सजाया गया है। सुबह से उमड़ रहे श्रद्धालु प्रभु यीशु के दर्शन और प्रार्थना के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ चर्च पहुंच रही है। भक्तिमय माहौल में लोग शांति, प्रेम और भाईचारे की कामना कर रहे हैं। चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था उत्सव और मेले को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। मेले की ड्रोन कैमरे से निगरानी की जाएगी मुगलसराय कोतवाली पुलिस के साथ आरपीएफ टीम पूरे क्षेत्र में तैनात। प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए प्रशासन अलर्ट मोड में है। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए अधिकारी और पुलिस बल लगातार ड्यूटी पर तैनात हैं। श्रद्धा उल्लास और सुरक्षा के बीच मनाया जा रहा क्रिसमस उत्सव मुगलसराय में क्रिसमस का पर्व शांति, उल्लास और कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच धूमधाम से मनाया जा रहा है।

बाइकों की टक्कर में ससुराल जा रहे युवक की मौत

रिपोर्टर - मुकेश श्रीवास्तव, बलिया। दो बाइकों की टक्कर में मंगलवार की रात एक युवक की मौत हो गयी, जबकि दो लोग घायल हो गये। सूचना मिलने के बाद मृतक के गांव-घर में मातम पसर गया। खबर पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जा में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। स्थानीय थाना क्षेत्र के बाराडीह लवाईपट्टी (सतहवां) निवासी 29 वर्षीय अनिल कुमार मंगलवार को बाइक से अपनी ससुराल जा रहा था। भीमपुरा-बरौली मार्ग पर किड़िहरापुर के पास सामने से आ रही एक अन्य मोटरसाइकिल से टक्कर हो गयी। इस घटना में दोनों गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गयी, जबकि अनिल गंभीर रुप से घायल हो गया।दूसरी मोटरसाइकिल पर सवार दो अज्ञात युवक भी चोटिल हो गये। दुर्घटना की जानकारी होते ही गांव-घर के लोग मौके पर पहुंचे और घायल अनिल को सदर अस्पताल मऊ पहुंचाया। वहां पर इलाज के दौरान रात में उसकी मौत हो गयी। इसकी सूचना मिलते ही परिवार के लोग बिलखने लगे। मृतक दो भाइयों में छोटा था। उसके भाई छोटेलाल की तहरीर पर पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

यू.पी. गौरव सम्मान समारोह: 36 विशिष्ट जनों को समाज में अनुकरणीय योगदान के लिए किया गया अलंकृत

उजाला संचार को उत्कृष्ट योगदान के लिए मिली सराहना

चंदौली/डी.डी.यू. नगर। उत्तर प्रदेश पत्रकार परिषद्, चंदौली द्वारा विगत 16 वर्षों से समाज में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले 36 विशिष्ट जनों को सम्मानित करने के लिए यू.पी. गौरव सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम डी.डी.यू. नगर में संपन्न हुआ। इस मौके पर बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. राघवेंद्र नारायण सिंह, चेयरमैन राजेश्वरी महिला महाविद्यालय, वाराणसी रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. अमित जैन, डॉ. अंजू जैन, सुनील कुमार भगत (एल.डी.एम. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया), डॉ. पूनम वर्मा, डॉ. वर्षा सिंह (बंसत कन्या विद्यालय, कामाक्छा, वाराणसी), रजनी सिंह (टीचर, चंदौली), सतीश जिंदल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इस दौरान उजाला संचार को उसके उत्कृष्ट योगदान के लिए विशिष्टजनों द्वारा काफी सराहना मिली तथा उजाला संचार के समाचार पत्र को हाथ में लेकर एक कतार में खड़े नजर आये, वहीं कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोग उजाला संचार समाचार पत्र पढ़ते दिखाई दिए।

सम्मानित व्यक्तियों में शिक्षा, चिकित्सा, समाज सेवा, कला, संगीत, पत्रकारिता, उद्यमिता और ब्यूटी इंडस्ट्री के क्षेत्र के लोगों को शामिल किया गया। प्रमुख सम्मानियों में शालिनी शर्मा, नितेश मिश्रा, डॉ. राघवेंद्र नारायण सिंह, डॉ. अमित जैन, डॉ. अंजू जैन, डॉ. नितिन अग्रवाल, तनिष्क (मुगलसराय अनामेंट्स), कशिश गुप्ता (कला), पंकज कुमार (बैंकिंग), दिव्या विकास (बीमा एवं बैंकिंग), शांति राधा (समाज सेवा), लाल बरत सिंह चौहान (जन सेवक), विजय कुमार (शिक्षा), प्रिंस जैन (उद्यमी), ऋषभ जैन (उद्यमी), विजय राज (संगीत), मनीषा वर्मा (संगीत), रविंद्र कुमार पटेल (शिक्षा), उजाला संचार (पत्रकारिता), सुनील कुमार (पत्रकारिता), सोम कुमार बिंद (समाज सेवा), मोनिका गुप्ता, रूपा, एकता गुप्ता, सविता आर्या, दीपू यादव, वन्दना दूबे, सुनीता कुशवाहा (ब्यूटीशियन), डॉ. वर्षा सिंह (कला सेवा), डॉ. पूनम वर्मा (संगीत सेवा), डॉ. पल्लव प्रजापति, अजय कुमार अकेला (संगीत विद्या मानद सम्मान, काशी हिन्दी विद्यापीठ, वाराणसी/नई दिल्ली) शामिल हैं।

अंतर विभागीय टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता का दूसरा क्वार्टर फाइनल मैच इंजीनियरिंग विभाग ने चार विकेट से जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया

वाराणसी। मंडल रेल प्रबन्धक वाराणसी श्री आशीष जैन के निर्देशन में एवं मंडल क्रीडा अधिकारी श्री बालेन्द्र पॉल के नेतृत्व में पूर्वोत्तर रेलवे लहरतारा स्थित रेलवे स्टेडियम में चल रही अंतर विभागीय टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता का आज 24 दिसम्बर 2025 को दूसरा क्वार्टर फाइनल मैच संरक्षा और इंजीनियरिंग विभाग के बीच खेला गया ।संरक्षा विभाग ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 123 रन बनाए ।संरक्षा की तरफ से असलम ने 21 बाल पर एक चौके और दो छक्के की मदद 26 रन,ऋषि ने 9 बाल पर चार चौके की मदद से 16 रन धनंजय ने 21 बाल पर एक चौके और एक छक्के की मदद से 17 रन और प्रमोद ने 17 बाल पर दो चौके की मदद से 13 रन बनाए । इंजीनियरिंग की तरफ से शुभम ने चार ओवर में 16 रन देकर कर दो विकेट, अश्विनी ने चार ओवर में 20 रन देकर दो विकेट लिए विजय और अजीत को एक-एक विकेट प्राप्त हुआ ।124 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंजीनियरिंग विभाग ने 17.4 ओवर में 6 विकेट 127 रन बनाकर चार विकेट से मैच जीत का सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया । इंजीनियरिंग विभाग की तरफ सेअजीत ने 52 बाल पर छह चौके और तीन छक्के की मदद से 64 रन एवं सुशील ने 16 गेंद पर चार चौके की मदद से 20 रन बनाए।

नगर आयुक्त ने किया ऐढ़े स्थित एबीसी सेंटर एवं काजी हाउस का स्थलीय निरीक्षण

वाराणसी। नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल द्वारा आज ऐढ़े स्थित एबीसी (एनिमल बर्थ कंट्रोल) सेंटर का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने एबीसी सेंटर परिसर में स्थित डॉग रूम, स्टाफ ऑफिस, डॉग फूड किचन तथा संपूर्ण कैम्पस का गहन अवलोकन किया।

ठंड के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए नगर आयुक्त द्वारा एबीसी सेंटर में पशुओं के संरक्षण हेतु पर्याप्त एवं नियमित अलाव की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए, ताकि निराश्रित एवं उपचाराधीन पशुओं को ठंड से बचाया जा सके। इसी क्रम में नगर आयुक्त द्वारा ऐढ़े स्थित काजी हाउस का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान काजी हाउस में रखे गए पशुओं की मूलभूत सुविधाओं का जायजा लेते हुए नगर आयुक्त ने पशुओं के लिए पेयजल की व्यवस्था को और बेहतर बनाने हेतु परिसर के किनारे अलग से नाद (पानी पीने की टंकी) बनाए जाने के निर्देश दिए।

नगर आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पशु कल्याण से जुड़े सभी कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा व्यवस्थाओं का नियमित निरीक्षण कर मानकों के अनुरूप संचालन सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त श्री अमित गुप्ता, पशु चिकित्साधिकारी सहित नगर निगम के अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रेलवे इंटर कॉलेज में स्काउट एवं गाइड की 7वीं जिला रैली का आयोजन

मंडल रेल प्रबंधक ने किया शुभारंभ : मंडल में जब भी वॉलंटियर्स की बात आती है तो पहला नाम आता है स्काउट एवं गाइड का

संजय शर्मा ब्यूरो चन्दौली। चन्दौली/ डीडीयू नगर,पूर्व मध्य रेल रेल भारत स्काउट एवं गाइड जिला संघ, डीडीयू के तत्वावधान में पूर्व मध्य रेलव इंटर कॉलेज परिसर में पाँच दिवसीय 7वीं जिला रैली का आज 24.12.2025 शाम को भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मंडल रेल प्रबंधक एवं अध्यक्ष स्काउट गाइडझडीडीयू श्री उदय सिंह मीना ने गुब्बारे उड़ाकर तथा रैली के लोगो का अनावरण कर किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभागियों को आयोजन की बधाई और शुभकामनाओं के साथ संबोधित करते हुए कहा कि स्काउट्स एवं गाइड्स संस्था अपने सदस्यों के सर्वांगीण विकास, अनुशासन, सौहार्दपूर्ण विचारों तथा सामाजिक कार्यों में सहयोग के लिए जानी जाती है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि संस्था का मुख्य उद्देश्य विश्व बंधुत्व की भावना को और अधिक सशक्त एवं प्रासंगिक बनाना है। मंडल में कहीं भी और किसी भी समय अपनी सेवाएं देने के लिए स्काउट एवं गाइड सदैव न केवल उपलब्ध रहते हैं बल्कि उत्साहित व आत्म प्रेरित भी रहते हैं। इस अवसर पर मुख्य जिला आयुक्त सह अपर मंडल रेल प्रबंधक दिलीप कुमार, जिला आयुक्त स्काउट सह मंडल कार्मिक अधिकारी उज्ज्वल आनंद तथा जिला आयुक्त गाइड सह वरीय मंडल अभियंता स्वाति राज उपस्थित रहे। इस अवसर पर महिला कल्याण संगठन की सदस्याएं तथा विभिन्न शाखा अधिकारी भी मौजूद रहे और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। उज्ज्वल आनंद ने कार्यक्रम के प्रारंभ में सभी का स्वागत किया, जबकि अंत में श्रीमती स्वाति राज ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का पारंपरिक स्वागत किया गया। छोटे बच्चों ने स्वागत कविताएँ प्रस्तुत कीं और स्काउट एवं गाइड के विभिन्न ग्रुपों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। इस पाँच दिवसीय रैली में लगभग 400 स्काउट-गाइड, रोवर-रेंजर एवं उनके लीडर भाग ले रहे हैं। अगले दिनों में कैम्प फायर, टेंट पिचिंग, पायनियरिंग प्रोजेक्ट, बिना बर्तन के भोजन बनाना, लोकनृत्य, रंगोली, इकाबाना और नुक्कड़ नाटक जैसी विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

यह रैली मंडल स्तर पर स्काउट-गाइड गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण अवसर है, जो प्रतिभागियों को सीखने, सहयोग और सांस्कृतिक आदानझप्रदान का मंच प्रदान करती है।

जरूरत मंदो किया गया गरम कपड़ों और कम्बल का वितरण

मनोज कुमार पाठक संवाददाता अलीनगर, चन्दौली/ डीडीयू नगर। आज स्टूडेंट पब्लिक स्कूल हरिशंकरपुर द्वारा गरीब और असहाय लोगों के बीच कंबल और गर्म कपड़ों का वितरण किया गया स्टूडेंट पब्लिक स्कूल हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी यह पुनीत कार्य कई वर्षों से करते आ रहे हैं आज उक्त कार्यक्रम में कई ऐसे परिवार कार्यक्रम में शामिल हुए जिन्हें इस कड़ाके की ठंड में अपने बचाव के लिए कंबल और वूलन कपड़े की सख्त आवश्यकता थी स्कूल के प्रबंधक राजीव श्रीवास्तव ने कहा कि स्कूल परिवार का मानना है समाज में जो निकले निर्धन टाइप के लोग उनको इस कड़ाके की ठंड में गरम कपड़ा देकर न सिर्फ उनकी जान बचाई गई है बल्कि स्वस्थ जीवन जीने के लिए उनको प्रेरित भी किया गया है उन्होंने बताया कि यह पुनीत कार्य विगत कई वर्षों से स्कूल परिवार के माध्यम से लगातार किया जा रहा है आज इस कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार बृजेश कुमार राजीव श्रीवास्तव राकेश कुमार सुनील कुमार श्रीवास्तव नमिता श्रीवास्तव प्रधानाचार्य सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक और शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

द गुरुकुलम स्कूल ने की सिटी राउंड की मेजबानी

रीडिंग डिकैथलॉन में बना रीजनल चैंपियन, नेशनल लेवल के लिए किया क्वालीफाई

संजय शर्मा ब्यूरो चन्दौली, चन्दौली/डीडीयू नगर। उत्तर प्रदेश- छात्रों के बीच पठन-पाठन की संस्कृति को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, द गुरुकुलम स्कूल, वाराणसी ने फूड 4 थॉट फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित रीडिंग डिकैथलॉन 2025-26 के सिटी राउंड की सफलतापूर्वक मेजबानी की। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में स्कूल ने न केवल शानदार आयोजन किया, बल्कि रीजनल चैंपियन का खिताब जीतकर नेशनल लेवल (राष्ट्रीय स्तर) के लिए अपनी जगह भी पक्की कर ली है।

साहित्यिक उत्कृष्टता की कठिन परीक्षा

रीडिंग डिकैथलॉन एक राष्ट्रीय स्तर की शैक्षणिक पहल है, जिसका उद्देश्य गहन और व्यापक पठन कौशल को मजबूत करना है। एक विशेष मल्टी-जोनर रीडिंग प्रोग्राम के माध्यम से, यह छात्रों की समझ, विश्लेषणात्मक सोच और साहित्यिक जागरूकता को परखता है।

सिटी राउंड में कक्षा 9 से 12 तक के दो-दो छात्रों की टीमों ने हिस्सा लिया। इस 90 मिनट की ऑनलाइन क्विज में 10 राउंड और 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न शामिल थे, जिसमें छात्रों की समझ और विविध साहित्यिक रूपों की जानकारी का मूल्यांकन किया गया।

चैंपियन बनने का सफर

स्कूल का यह गौरवशाली सफर को इंदौर में आयोजित रीजनल राउंड में उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ शुरू हुआ।

प्रतियोगिताः प्रारंभिक चरण में भाग लेने वाले देश भर के 74 स्कूलों में से केवल 19 स्कूल ही रीजनल राउंड के लिए क्वालीफाई कर पाए।

मैराथन मूल्यांकनः छात्रों ने लगभग 10 कठिन राउंड में पांच घंटे के गहन मैराथन मूल्यांकन का सामना किया।

परिणामः अपनी असाधारण साहित्यिक क्षमता और शैक्षणिक धैर्य का परिचय देते हुए, द गुरुकुलम् स्कूल, वाराणसी रीजनल चैंपियन बनकर उभरा।

विजेता प्रतिभागी और मार्गदर्शक

स्कूल का प्रतिनिधित्व कक्षा 11वीं-ऊ की छात्रा सृष्टि सिंह और कक्षा 11वीं-उ के छात्र त्रिदेव सिंह ने किया। अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष राजर्षि शिवांशु मिश्रा के कुशल मार्गदर्शन में, इन छात्रों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया और संस्था का नाम रोशन किया।

स्कूल के प्रवक्ता ने कहा, यह उपलब्धि हमारे छात्रों के समर्पण और आलोचनात्मक सोच का प्रमाण है। सिटी राउंड की सफल मेजबानी और रीजनल चैंपियनशिप में जीत हमारे स्कूल की शैक्षणिक उत्कृष्टता की विरासत में एक और महत्वपूर्ण अध्याय है।

भविष्य की राह

प्रारंभिक दौर में 50 से अधिक स्कूलों की भागीदारी के साथ यह मुकाबला बेहद चुनौतीपूर्ण था। रीजनल राउंड जीतने के बाद,अब सृष्टि और त्रिदेव नेशनल लेवल की प्रतियोगिता में वाराणसी का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हैं।

चैतन्य आयुर्वेद क्लिनिक द्वारा निशुल्क हड्डी गुणवत्ता जांच शिविर का सफल आयोजन

संजय शर्मा ब्यूरो चन्दौली। मुगलसराय नगर के एकमात्र विशुद्ध आयुर्वेदिक चिकित्सा केंद्र चैतन्य आयुर्वेद क्लिनिक द्वारा कैलाशपुरी स्थित शिव मंदिर परिसर में निशुल्क हड्डी गुणवत्ता जांच शिविर का आयोजन किया गया।, जिसमें नगर एवं आसपास के 220 लोगों ने अपनी हड्डी खनिज घनत्व जांच कराई। सभी प्रतिभागियों को निःशुल्क परामर्श, आयुर्वेदिक औषधियों का वितरण एवं लैब के सभी प्रकार की ब्लड जांचों पर विशेष छूट प्रदान की गई।

प्रमुख अतिथियों की उपस्थिति

कार्यक्रम में पं. दीनदयाल उपाध्याय नगर विधायक रमेश जायसवाल एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रदेश महामंत्री देवेंद्र भाई पटेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में युवा भारतीय मंच चंदौली संरक्षक सुनील यादव (देवता प्रधान) शामिल हुए। मुगलसराय की कई गरिमामयी हस्तियां भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं, जिन्होंने आयुर्वेदिक जागरूकता को बढ़ावा दिया।

चिकित्सकीय सेवाएं एवं जागरूकता

डॉ. पल्लव प्रजापति (आयुर्वेदिक न्यूरोपंचकर्म विशेषज्ञ व क्लिनिक संस्थापक) के मार्गदर्शन में डॉ. प्रभात शर्मा, डॉ. आदर्श कुमार , डॉ. मनीष पांडे, डॉ. उद्धव शर्मा एवं डॉ. स्वीटी जायसवाल ने सेवाएं प्रदान कीं। डॉ. प्रजापति ने बताया कि आधुनिक जीवनशैली, विटामिन-डी की कमी एवं गलत भोजन से हड्डियों की कमजोरी बढ़ रही है, इसलिए BMD जांच आवश्यक है।

संक्षिप्त समाचार

बेल्थरा रोड पहुंचे आईआरओ के राष्ट्रीय अध्यक्ष गगन यादव व आरबीएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिमोहन यादव, आयुष हत्याकांड को लेकर भरी हुंकार

बलिया। चर्चित आयुष और मन्टू हत्याकांड में मंगलवार की शाम उस समय नया मोड़ देखने को मिला, जब इंडियन रिफॉर्म्स ऑर्गनाइजेशन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष गगन यादव तथा

RBM के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिमोहन यादव पीड़ित परिवार से मिलने बेल्थरा रोड पहुंचे। पीड़ित परिजनों से मुलाकात और पुलिस अधिकारियों से वार्ता के बाद गगन यादव ने पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट कहा कि जब तक पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिल जाता, तब तक क्m्ड उनके साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। गगन यादव ने आरोप लगाया कि आरोपियों की गिरफ्तारी और सरेंडर की कार्रवाई महज फिल्मी स्टाइल में की गई है। उन्होंने पुलिस प्रशासन पर अपराधियों को संरक्षण देने के गंभीर आरोप भी लगाए। साथ ही योगी सरकार की बुलडोजर कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार में गरीबों पर तो बुलडोजर चलता है, लेकिन मजबूत और प्रभावशाली लोगों के सामने यही बुलडोजर कमजोर पड़ जाता है।राष्ट्रीय बैकवर्ड महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिमोहन यादव ने बेल्थरा रोड एसडीएम को जिम्मेदार ठहराते हुए परिवार के सदस्यों को नौकरी दिलाने की मांग की। हालांकि सभी नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी पर पीड़ित परिजनों ने संतोष व्यक्त किया है, लेकिन गगन यादव के तेवरों से मामले में राजनीतिक और सामाजिक हलचल तेज हो गई है। इस घटनाक्रम के बाद बेल्थरा रोड विधानसभा क्षेत्र में आने वाले दिनों में राजनीतिक गतिविधियां और तेज होने की संभावना जताई जा रही है।

बलिया में मेडिकल कॉलेज निर्माण का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया ऐलान

बलिया ब्यूरो अवधेश यादव, बलिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र में बलिया में मेडिकल

कॉलेज बनाने की योजना का जिक्र किया है। उन्होंने बताया कि सरकार बलिया में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए जमीन का प्रस्ताव जल्द ही मांगा जाएगा।सीएम ने सत्र के दौरान नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय को संबोधित करते हुए कहा कि पिछली सरकारों के समय धन की कमी के कारण यह कार्य नहीं हो पाया था। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी सरकार इस परियोजना पर सक्रिय रूप से काम कर रही है और इसके लिए आवश्यक धन की व्यवस्था भी कर ली गई है।मुख्यमंत्री ने 2022 में बलिया बलिदान दिवस के अवसर पर बलिया में मेडिकल कॉलेज बनाने की घोषणा की थी। इस मेडिकल कॉलेज के लिए जिला कारागार की भूमि का चयन किया गया है। इस फैसले के चलते, जिला कारागार के कैदियों को मऊ और वाराणसी के जिला कारागारों में स्थानांतरित किया गया है। वहीं, बलिया में 3000 कैदियों की क्षमता वाला नया जिला कारागार भी बनाया जाएगा।

खेत पर गए किसानों ने सूखे नाले में देखा अज्ञात युवक का सड़ा शव, शिनाख्त के प्रयास में जुटी पुलिस

ब्यूरो चीफ गाजीपुर संजय यादव / उमेश यादव, गाजीपुर। गाजीपुर जिले से है जहां पर मरदह थानाक्षेत्र के सोढ़रा दुखुर्शी गांव के सिवान स्थित सूखे गोधनी नाले में अज्ञात युवक का सड़ चुका शव देख सनसनी फैल गई। जिसके बाद मौके पर भीड़ जुट गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त का प्रयास किया लेकिन शिनाख्त नहीं हो सकी तो शव को मर्चरी भेज दिया। वहीं लोगों में आशंका है कि युवक की हत्या कर शव यहां फेंका गया होगा। सुबह गांव के किसान अपने खेत पर गए थे। इस बीच वहां नाले में करीब 35 वर्षीय अज्ञात युवक का सड़ रहा शव देख हड़कंप मच गया। शव देखकर लोग आशंका जता रहे थे संभवतः उसकी हत्या कर करीब 3 से 4 दिनों पूर्व फेंका गया होगा। बहरहाल, पुलिस ने शव की शिनाख्त का प्रयास शुरू कर दिया है।

कासिमाबाद थाना क्षेत्र में अवैध वसूली का बड़ा खुलासा

सड़क पर चलने वाले वाहनों से हो रही थी अवैध वसूली

ब्यूरो चीफ गाजीपुर संजय यादव / उमेश यादव, गाजीपुर। कासिमाबाद थाना क्षेत्र में सड़क पर चलने वाले वाहनों से अवैध वसूली के गंभीर मामले का पुलिस ने खुलासा किया है। मामले की जांच के बाद पुलिस अधीक्षक गाजीपुर ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रभारी निरीक्षक सहित तीन पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। सभी के खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।

स्टिकर लगाकर 200-200 रुपये की वसूली का आरोप

जांच में सामने आया है कि 16 दिसंबर 2025 को दोपहर करीब 2 बजे से शाम 4:30 बजे तक कासिमाबाद क्षेत्र तथा कभी-कभी जनपद बलिया के रसड़ा क्षेत्र में वाहनों को अनाधिकृत रूप से रोका जा रहा था। वाहनों पर स्टिकर लगाकर प्रत्येक चालक से 200 रुपये की वसूली की जा रही थी। आरोप है कि इस अवैध गतिविधि से प्रतिदिन करीब 14 से 15 हजार रुपये की कमाई की जा रही थी।

क्यूआर कोड से ऑनलाइन लेन-देन भी सामने आया

मामले में यह भी आरोप है कि आरक्षी चालक आशीष सिंह द्वारा उपलब्ध कराए गए क्यूआर कोड के माध्यम से करीब 4,000 रुपये की ऑनलाइन वसूली कराई गई। इस पूरी प्रक्रिया में धीरज गिरि नामक व्यक्ति की मुख्य भूमिका बताई जा रही है, जिसे संबंधित पुलिसकर्मियों और एक होमगार्ड का संरक्षण प्राप्त था।

प्रभारी निरीक्षक पर लापरवाही का आरोप

प्रभारी निरीक्षक कासिमाबाद नन्दकुमार तिवारी पर आरोप है कि उनके कार्यक्षेत्र में इस तरह की अवैध गतिविधियां संचालित होती रहीं। इससे यह स्पष्ट होता है कि उन्होंने अपने अधीनस्थों पर प्रभावी नियंत्रण नहीं रखा और अपने पदीय एवं पर्यवेक्षणीय दायित्वों के निर्वहन में गंभीर शिथिलता बरती।

पैसे के विवाद में युवक पर चाकू से हमला, दो आरोपी हिरासत में

बलिया ब्यूरो - अवधेश यादव, बलिया। बलिया शहर कोतवाली क्षेत्र के बहेरी मोहल्ले में बुधवार शाम पैसे के लेन-देन को लेकर हुए विवाद में एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया गया। घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल युवक की पहचान दानिश अहमद (19 वर्ष) पुत्र तसब्बुर अंसारी, निवासी चन्द्रशेखर नगर, बहेरी के रूप में हुई है। दानिश का आरोप है कि उसने कुछ लोगों से अपना उधार दिया हुआ पैसा वापस मांगा था, इसी बात को लेकर आरोपियों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। सीओ सिटी मोहम्मद उस्मान ने बताया कि बुधवार शाम करीब 6 बजे कोतवाली पुलिस को सूचना मिली थी कि बहेरी गांव में आपसी विवाद के दौरान दानिश अंसारी पर चाकू से हमला किया गया है। पुलिस ने तत्काल घायल युवक को जिला अस्पताल भिजवाया, जहां उसका उपचार चल रहा है।

डॉक्टरों के अनुसार उसकी हालत फिलहाल सामान्य बताई जा रही है।पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लिया है।

पीड़ित की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और आरोपियों से पूछताछ जारी है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में निकाला मशाल जुलूस

नगरा में विहिप-बजरंग दल का प्रदर्शन

बलिया ब्यूरो - अवधेश यादव, बलिया। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे कथित अत्याचारों के विरोध में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकताओं ने बलिया जनपद के नगरा कस्बे में जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकताओं ने मशाल जुलूस निकालकर आक्रोश जताया तथा बांग्लादेश के प्रधानमंत्री का प्रतीकात्मक पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया।मशाल जुलूस के दौरान प्रदर्शनकारियों ने ह्लबांग्लादेश की तीन दवाई–बम, राफेल और मिसाइलह्व जैसे नारे लगाए और अंतरराष्ट्रीय मंच पर हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि

बांग्लादेश में लगातार हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है, जो मानवता के खिलाफ अपराध है।विहिप और बजरंग दल के कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि हाल ही में बांग्लादेश में हिंदू युवक दीपचंद्र दास को झूठे ईशनिंदा के आरोप में सरेआम घसीटकर जिंदा जला दिया गया। इसके अलावा 6 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म कर हत्या, एक बच्ची को उसके पूरे परिवार समेत जिंदा जलाए जाने और हिंदू गांवों को जलाकर नष्ट किए जाने जैसी घटनाएं सामने आई हैं, जो अत्यंत निंदनीय हैं।कार्यकताओं ने कहा कि हिंदुओं पर हो रहे इन अत्याचारों को विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेगा।

क्रिसमस की पूर्व संध्या पर गहमर में खूनी संघर्ष, युवक की मौत से गांव में कोहराम

ब्यूरो चीफ गाजीपुर संजय यादव / उमेश यादव। गाजीपुर जनपद के थाना गहमर अंतर्गत फौजी गांव गहमर में क्रिसमस की पूर्व संध्या पर पुराना विवाद अचानक हिंसक संघर्ष में बदल गया । इस घटना में एक युवक की मौत हो गई , जबकि दो अन्य युवकों के लापता होने की सूचना है । इस घटना के बाद से पूरे गांव में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती रात 24/25 दिसंबर 2025 को ग्राम पंचायत गहमर के खेलू राय पट्टी में दो पक्षों के बीच पहले से चले आ रहे विवाद को लेकर कहासुनी शुरू हुई , जो देखते ही देखते मारपीट में तब्दील हो गई ।

आरोप यह है कि एक पक्ष के तीन लोगों पर दूसरे पक्ष ने जानलेवा हमला कर दिया । इस दौरान

विक्की सिंह नामक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया । परिजन उसे इलाज के लिए चिकित्सालय लेकर गए , लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि विक्की सिंह के साथ मौजूद दो अन्य युवक घटना के बाद से लापता हैं , जिनकी तलाश में पुलिस टीमें जुटी हुई हैं । घटना की सूचना मिलते ही थाना गहमर पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में कर लिया । बता दे कि एहतियातन गांव में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके ।

पुलिस सूत्रों के अनुसार हमलावर घटना के बाद से ही फरार हैं औए उनकी गिरफ्तारी के लिए कई टीमें गठित कर संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है । इस मामले में अभियोग दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है और सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है । इस बाबत एसपी ग्रामीण अतुल सोनकर ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि गहमर थाना क्षेत्र में आपसी विवाद के चलते मारपीट की घटना हुई है, जिसमें एक युवक की मृत्यु हुई है। उन्होंने कहा कि मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है , दोषियों को जल्द -2 गिरफ्तार किया जाएगा और गांव में कानून-व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में है।

सपा की पूर्व मंत्री रीबू श्रीवास्तव का भाजपा सरकार पर तीखा हमला

ब्यूरो चीफ गाजीपुर संजय यादव / उमेश यादव। समाजवादी पार्टी की पूर्व मंत्री रीबू श्रीवास्तव ने उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पर जोरदार हमला बोलते हुए कहा कि योगी सरकार PDA (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की बढ़ती ताकत से घबराई हुई है। यही कारण है कि मोहम्दाबाद में 22 दिसंबर को प्रस्तावित पीडीए महापंचायत का प्रशासनिक आदेश निरस्त कर दिया गया।

रीबू श्रीवास्तव सोमवार (23 दिसंबर) को गाजीपुर के ग्राम सभा बाघी में आयोजित PDA कम्बल वितरण कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचीं थी । इस दौरान उन्होंने कहा कि पीडीए के तहत चलाए जा रहे सामाजिक कार्यक्रमों को जनता का व्यापक समर्थन मिल रहा है । गरीबों, महिलाओं और निर्बल वर्गों के लिए किए जा रहे ऐसे कार्यक्रम सरकार को असहज कर रहे हैं ।

उन्होंने सवाल उठाया कि जब 23 दिसंबर को PDA के कार्यक्रम को अनुमति दी गई , तो 22 दिसंबर को मोहम्दाबाद में प्रस्तावित महापंचायत को साजिश के तहत क्यों रोका गया । उन्होंने आरोप लगाया कि अंसारियों से जुड़े कार्यक्रम को जानबूझकर निरस्त किया गया, जबकि पीडीए का उद्देश्य समाज के वंचित वर्गों की मदद करना है। ओमप्रकाश राजभर द्वारा PDA को नकली बताए जाने पर पलटवार करते हुए पूर्व मंत्री ने कहा कि उनके बयानों का कोई महत्व नहीं है । उन्होंने कहा कि राजभर अपनी बातों पर टिकते नहीं हैं । आज कुछ कहते हैं, कल कुछ और। जनता सब समझ रही है।

कोडीन सिरप मामले को लेकर भी रीबू श्रीवास्तव ने भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए । उन्होंने कहा कि सरकार दोषियों को बचाने में लगी है। यदि सरकार निष्पक्ष है तो इसमें शामिल लोगों पर बुलडोजर की कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि हमारे नेताओं ने सदन में इसके पुख्ता सबूत भी पेश किए हैं ।

इसके अलावा उन्होंने मुस्लिम महिला का हिजाब खींचे जाने की घटना की कड़ी निंदा करते हुए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा समर्थित नेताओं की भूमिका पर सवाल उठाए।

करंट की चपेट में आने से दो मासूम भाइयों की हालत नाजुक, दादा की दुकान का शटर उठा रहे थे दोनों

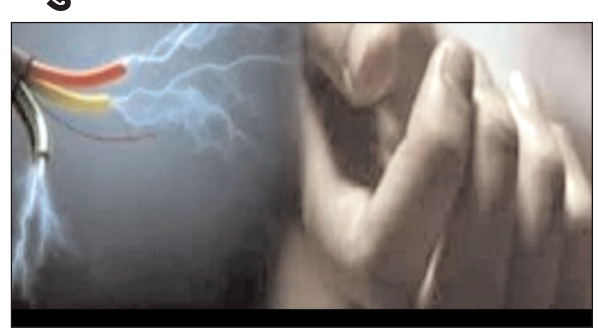

ब्यूरो चीफ गाजीपुर संजय यादव / उमेश यादव, गाजीपुर। गाजीपुर ज़िले से है जहां पर सैदपुर नगर में मासूम बेटे को करंट से अलग करने के चक्कर में उसका बड़ा भाई भी करंट की जद में आकर झुलस गया। दोनों को फौरन सैदपुर सीएचसी लाया गया। नगर निवासी 11 वर्षीय समीर पुत्र लारैब सुबह दादा की दुकान का शटर उठा रहा था। इस बीच वहां केबिल कटा होने के चलते शटर उठते ही उसमें करंट उतरा और वो उसमें चिपककर झुसलने लगा। ये देख उसे बचाने के लिए उसका बड़ा भाई 12 वर्षीय जुनैद दौड़ा और वो भी करंट की जद में आकर झुलस गया। ये देख परिजनों ने फौरन डंडे से हटाया और बिजली काटकर दोनों को सीएचसी ले आए।

जिला जज बलिया, सी0जे0एम0 बलिया, पुलिस अधीक्षक बलिया, सी0डी0ओ0 बलिया एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बलिया की प्रभारी सचिव द्वारा जिला कारागार मऊ का संयुक्त निरीक्षण किया

आनंद मोहन मिश्रा, बलिया। जिला कारागार मऊ, जनपद मऊ का *श्री अनिल कुमार झा, माननीय जनपद न्यायाधीश बलिया, डॉ0 ओमवीर सिंह पुलिस अधीक्षक बलिया, श्री ओजस्वी राज मुख्य विकास अधिकारी बलिया, श्री शैलेश पांडे सी0जे0एम0 बलिया, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बलिया की प्रभारी सचिव सिविल जज सीनियर डिवीजन सुश्री गार्गी शर्मा, द्वारा संयुक्त रूप से जिला कारागार मऊ का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कारागार की सुरक्षा व्यवस्था, बंदियों की स्थिति, भोजन व्यवस्था, स्वच्छता, चिकित्सीय सुविधाएं, बैरकों की स्थिति, रसोईघर, जलापूर्ति, विद्युत

व्यवस्था तथा अभिलेखों का गहनतापूर्वक अवलोकन किया गया। इस दौरान अधिकारियों द्वारा बंदियों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं एवं शिकायतों के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई।

बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं के संबंध में मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा कारागार चिकित्सालय का निरीक्षण कर दवाइयों की उपलब्धता, उपचार व्यवस्था एवं चिकित्सकीय सेवाओं की समीक्षा की गई तथा संबंधित कार्मिकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

पदोन्नति की मॉंग करते हुए मूल संघ ने सौंपा ज्ञापन

बीते मंगलवार को लखनऊ में राजकीय शिक्षक संघ उत्तर प्रदेश मूल संघ द्वारा प्रयागराज-झॉसी शिक्षक निर्वाचन खण्ड से शिक्षक विधायक डॉ बाबूलाल तिवारी को दारुल शफा,विधायक निवास स्थित उनके आवास पर जाकर ज्ञापन देकर एलटी एवं प्रवक्ता संवर्ग के शिक्षक-शिक्षिकाओं की पदोन्नति प्रक्रिया प्रारम्भ कराने की मॉंग की गई। यह ज्ञापन 18 दिसम्बर, 2025, बृहस्पतिवार को वाराणसी में मूल संघ के प्रान्तीय उपाध्यक्ष डॉ. सत्यम शिवम सुन्दरम की अध्यक्षता एवं वाराणसी मण्डल की मण्डलीय अध्यक्ष विजय भारतीय सिंह एवं मण्डलीय मन्त्री वेद प्रकाश राय की उपस्थिति में आयोजित बैठक में लिए गए निर्णय के क्रम में दिया गया। प्रतिनिधि मण्डल में प्रान्तीय कार्यकारी महामन्त्री डॉ अशोक कुमार अवाक के नेतृत्व में अनिल कुमार मिश्र, शैलेन्द्र पाठक, नरेन्द्र पाराशर,अभय कुमार दुबे आदि की

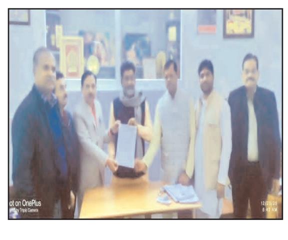

उपस्थिति उल्लेखनीय रही। मूल संघ द्वारा विशेष रूप से यह मॉंग की गई कि इस सम्बन्ध में गोपनीय आख्या केवल और केवल डिजिटल/ ऑनलाइन माध्यम से ही मॅंगाई जाए जिससे कि विभागीय लेट-लतीफी एवं भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

निर्मला कॉन्वेंट हाई स्कूल में धूमधाम से मना क्रिसमस

कैरोल सॉन्ग प्रतियोगिता रही आकर्षण का केंद्र

सोनभद्र से ब्यूरो आबिदा खातून (जूही) की खास रिपोर्ट, रेणुकूट। नगर के प्रतिष्ठित अंग्रेजी माध्यम विद्यालय निर्मला कॉन्वेंट हाई स्कूल में क्रिसमस डे के अवसर पर भव्य और उल्लासपूर्ण समारोह का आयोजन किया गया। पूरे विद्यालय परिसर को आकर्षक सजावट से सजाया गया, जहाँ हर ओर उत्सव और खुशियों का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरूआत प्रार्थना सभा से हुई, जिसके बाद विद्यार्थियों ने प्रभु यीशु मसीह के जन्म पर आधारित सुंदर झांकियां प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही कैरोल सॉन्ग प्रतियोगिता, जिसमें विभिन्न कक्षाओं के छात्र-छात्राओं ने मधुर स्वरों में क्रिसमस गीत गाकर

सभी का मन मोह लिया। बच्चों की सामूहिक प्रस्तुति पर मौजूद अभिभावकों और शिक्षकों ने तालियों की गूंज के साथ उनका उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या सिस्टर रेजी ने अपने संदेश में कहा कि क्रिसमस प्रेम, शांति और भाईचारे का पर्व है। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रभु यीशु के बताए मार्ग पर चलने और समाज में प्रेम व सद्भाव फैलाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, नृत्य और लघु नाटिकाओं के माध्यम से प्रभु यीशु के जीवन और उनके उपदेशों को प्रभावशाली रूप में दर्शाया गया।

सम्पादकीय

नैतिकता की कसौटी पर नेपाल की राजनीति

नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने प्रधानमंत्री सुशीला कार्की और प्रमुख राजनीतिक दलों के शीर्ष नेताओं के बीच

महेन्द्र सोनकर
संपादक

छलफल (बातचीत) का आयोजन किया था। 12 सितंबर को पद संभालने के बाद प्रधानमंत्री कार्की और प्रमुख राजनीतिक दलों के शीर्ष नेताओं के बीच यह पहली बैठक थी। नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा, नेकपा एमाले के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली, और नेकपा-माओवादी के कोऑर्डिनेटर पुष्पकमल दाहाल के बीच आम चुनाव को सफल बनाने के लिए सहमति बन गई है। नेपाल में चुनाव 5 मार्च, 2026 को होंगे, लेकिन क्या आम सहमति से शांतिपूर्ण मतदान संभव होगा? यह सबसे बड़ा सवाल है। प्रचंड ने कहा, अगर सरकार उनके लिए अनुकूल माहौल बनाती है, तो पार्टियां चुनाव में जाने के लिए तैयार हैं। जबकि, नेपाली कांग्रेस और नेकपा-एमाले जैसी प्रमुख राजनीतिक ताकतों के सांसदों ने भंग की गई प्रतिनिधि सभा को बहाल करने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिकाएं दायर की हैं। सोमवार को राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष रबी लामिछाने और काठमांडू के मेयर बालेनेंद्र (बालेन) शाह के बीच देर रात हुई बैठक ने, नेपाल के राजनीतिक गलियारों में एक नई बहस छेड़ दी है कि क्या उभरती वैकल्पिक राजनीतिक ताकतों के बीच गठबंधन संभव है?

लामिछाने को-ऑपरेटिव फंड घोटाले में कथित संलिप्तता के आरोप में नौ महीने से हिरासत में थे। शुक्रवार को, लामिछाने को जेल से रिहा किया गया था। लामिछाने पर कोऑपरेटिव फंड घोटाले में कथित संलिप्तता को लेकर पांच ज़िलों में कानूनी मामले चल रहे हैं। मंगलवार को चितवन कोर्ट से निकलने के बाद पत्रकारों से लामिछाने ने कहा कि हमने ऐसी किसी चर्चा में हिस्सा नहीं लिया, जिसमें बालेन शाह को प्रधानमंत्री बनाने की बात हो। लामिछाने बोले, मैं जल्द ही जेनजी के दो प्रमुख नेताओं सुदन गुरुंग और कुलमान घिसिंग से बात करूंगा। नेपाल में विकल्प की राजनीति का ऊंट किस करवट बैठता है, अभी से कहना मुश्किल है। लेकिन, सबसे अधिक मुश्किल वामपंथी एकता को लेकर हो रही है। पेइचिंग का मानना है कि बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) प्रोजेक्ट्स और दूसरी संधियों को आसानी से लागू करने के लिए एक मजबूत, एकजुट कम्युनिस्ट शासन जरूरी है। चीन ने 2018 में दो सबसे बड़ी कम्युनिस्ट पार्टियों, नेकपा-एमाले और नेकपा-माओवादी सेंटर के बीच विलय कराने में सफलता हासिल की थी। फिर भी, ओली और प्रचंड के बीच हुई दुरभिसंधि, दूर तक नहीं जा सकी। वर्ष 2021 में दोनों अलग हो गए।

कभी पूर्व राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी और केपी शर्मा ओली, तोड़ेंगे दम मगर, तेरा साथ ना छोड़ेंगे का तराना गाते थे, अब दोनों एक-दूसरे को फूटी आंख नहीं सुहाते। ओली, एमाले नेतृत्व को छोड़ने के मूड में कतई नहीं थे। आगामी 22 फरवरी, 2026 को ओली 74 साल के हो जायेंगे। एमाले का संविधान 70 साल की उम्र सीमा और अध्यक्ष पद को दो कार्यकाल तक सीमित करता है। ओली ने पार्टी अधिवेशन के जरिये उम्र सीमा और दो टर्म वाली अवधि को निरस्त करवा दिया। विद्या देवी भंडारी 64वां वसंत देख चुकी हैं। बाकी वक्त वो बियावान में काटना नहीं चाहतीं। जून की शुरूआत में चीन की आधिकारिक यात्रा से लौटने के बाद, पूर्व राष्ट्रपति भंडारी ने एमाले अध्यक्ष बनने की अपनी योजना का खुलासा किया था। चीन की ओर से शायद विद्या देवी भंडारी को हरी झंडी मिल चुकी थी। वर्ष 2015 से 2023 तक देश की राष्ट्रपति बनने से पहले, विद्या देवी भंडारी ने पार्टी में उपाध्यक्ष के तौर पर काम किया था।

विद्या देवी भंडारी के सक्रिय राजनीति में फिर से आने की घोषणा के बाद, ईश्वर पोखरेल सहित कुछ वरिष्ठ नेताओं ने उनके फैसले का स्वागत किया और एमाले प्रमुख बनने की उनकी योजना के पक्ष में लॉबिंग की। लेकिन, जुलाई में हुई केंद्रीय समिति की बैठक में, लगभग 90 प्रतिशत सदस्यों ने भंडारी की दावेदारी को खारिज कर दिया। यह तर्क देते हुए कि जो व्यक्ति पहले ही देश का राष्ट्रपति रह चुका है, उसका सक्रिय राजनीति में लौटना गलत सन्देश देगा।

राव की सोच की बुनियाद पर भारत बना चौथी बड़ी

> भारतीय अर्थव्यवस्था की उछाल इन दिनों दुनिया देख रही है। लेकिन पिछली सदी के अस्सी के दशक में अर्थव्यवस्था बेहद खराब हालत में पहुंच चुकी थी। हालात इतने बुरे थे कि भारत को अपना रिजर्व सोना बैंक ऑफ इंगलैंड के पास गिरवी रखना पड़ा था। राव से ठीक पहले प्रधानमंत्री रहे चंद्रशेखर ने अपनी आत्मकथा, जीवन जैसा जिया में इस गिरवी प्रकरण की पूरी जानकारी दी है

पामुलपार्थी वेंकट नरसिंह राव...यही पूरा नाम था उनका। आज ही के दिन ठीक इक्कीस साल पहले उन्होंने दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में आखिरी सांस ली थी, जिसे देश के सबसे बेहतरीन सार्वजनिक अस्पताल माना जाता है। एम्स के नाम से विख्यात इस अस्पताल में जब उनकी आत्मा उनके शरीर रूपी पिंजरे से उड़ गई, तब देश में उन डॉक्टर मनमोहन सिंह का शासन था, जिन्हें उन्होंने ही राजनीति की दुनिया में प्रवेश कराया था। राव कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण और गरिमापूर्ण विदाई के हकदार थे। लेकिन उनकी ही पार्टी ने उन्हें यह विदाई मयस्सर नहीं होने दी और देश का प्रधानमंत्री भी मौन व्रत धारण किए रह गया। नेहरू, इंदिरा और राजीव को भारत रत्न देने वाली कांग्रेस की अगुआई वाली सरकार ने अपने ही उस राव को उचित सम्मान देना उचित नहीं समझा, जिसके वे अध्यक्ष रह चुके थे।

भारतीय अर्थव्यवस्था की उछाल इन दिनों दुनिया देख रही है। लेकिन पिछली सदी के अस्सी के दशक में अर्थव्यवस्था बेहद खराब हालत में पहुंच चुकी थी। हालात इतने बुरे थे कि भारत को अपना रिजर्व सोना बैंक ऑफ इंगलैंड के पास गिरवी रखना पड़ा था। राव से ठीक पहले प्रधानमंत्री रहे चंद्रशेखर ने अपनी आत्मकथा, जीवन जैसा जिया में इस गिरवी प्रकरण की पूरी जानकारी दी है। चंद्रशेखर के बाद एक्सीडेंटल प्रधानमंत्री बने राव के सामने तत्कालीन कैबिनेट सचिव ने भारतीय अर्थव्यवस्था की बुरी गत की जानकारी दी तो उनका चिंतित होना स्वाभाविक था। ऐसे हालात में उनका विचलित होना स्वाभाविक था। लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और प्रोफेशनल अर्थशास्त्री को देश का वित्त मंत्री बनाने की सोची। उन्हें तब दो नाम सुझाए गए थे, रिजर्व बैंक के गवर्नर रह चुके आईजी पटेल और मनमोहन सिंह। राव की पहली पसंद पटेल थे, लेकिन उन्होंने अपनी बीमार और बुजुर्ग मां की देखभाल के चलते वह जिम्मेदारी भरा पद लेना स्वीकार नहीं किया। नियति मनमोहन सिंह के पक्ष में थी। मनमोहन वित्त मंत्री बने। 1991 की 25 जुलाई को लोकसभा में बजट पेश करते हुए मनमोहन सिंह ने देश की अर्थव्यवस्था को खोल दिया। आर्थिक मोर्चे पर जारी लाइसेंस राज की विदाई की शुरूआत हुई। आर्थिक खुलेपन ने देश की आर्थिकी की जो नींव रखी, आज उसी नींव पर आगे बढ़ते हुए देश दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था का गौरव हासिल कर चुका है। बेशक यह सब मनमोहन सिंह की बदौलत हुआ। लेकिन अगर उनकी पीठ पर नरसिंह राव का हाथ नहीं होता तो क्या वे भारतीय अर्थव्यवस्था को वैश्विक व्यवस्था के साथ कदमताल करने के लिए उद्यत हो सकते थे? निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है। भारत की आर्थिकी को मजबूत बुनियाद देने के साथ ही वैश्विक व्यवस्था के साथ कदमताल के लिए तैयार करने में मनमोहन सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। लेकिन बिना नरसिंह राव के मजबूत समर्थन के, वे ऐसे कदम नहीं उठा सकते थे। आज भारत की आर्थिकी की जो वैश्विक चमक दिख रही है, उसके असर नींव निमार्ता नरसिंह राव ही हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश जिस कांग्रेस के वे नेता रहे, जिस कांग्रेस क साथ उन्होंने अपनी समूची राजनीतिक यात्रा पूरी की, उस कांग्रेस ने उनसे किनारा कर लिया।

किनारा करने की वजह रहा बाबरी विध्वंस। छह दिसंबर 1992 को बाबरी का ध्वंस हुआ। ऐसा नहीं कि नरसिंह राव ने ध्वंस को रोकने की तैयारी नहीं की थी। गांधी-नेहरू परिवार के नजदीकी रहे पूर्व विदेश सेवा अधिकारी और कांग्रेसी राजनेता मणिशंकर अय्यर राव को इसी वजह से भाजपा का पहला प्रधानमंत्री कहते हैं। बाबरी विध्वंस के बाद वामपंथी बौद्धिकों के एक खेमे ने उन्हें खाकी निक्कर वाला कहना शुरू कर दिया था। यहां याद दिलाना जरूरी है कि खाकी निक्कर कुछ साल पहले तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों की गणवेश होती थी। लेकिन नरसिंह राव ने अपने उपर लगे आरोपों का पुस्तक लिखकर जवाब दिया है. जो 2004 में उनके निधन के बाद प्रकाशित हुई है। ह्यअयोध्याः छह दिसंबरह्न नामक यह पुस्तक साल 2006 में प्रकाशित हुई। इस किताब में एक तरह से राव ने बाबरी ध्वंस को लेकर उन पर लगने वाले अकर्मण्यता के आरोपों का सिलसिलेवार जवाब दिया है। इसमें उन्होंने बाबरी मस्जिद विध्वंस के दिन और उससे पहले की घटनाओं, अपनी कार्रवाइयों और तब के राजनीतिक दबावों को लेकर पूरी जानकारी दी है। इसमें उन्होंने बताया है कि आखिर उत्तर प्रदेश में वे संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत राष्ट्रपति शासन क्यों नहीं लगा पाए। उन्होंने बताया है कि राज्यपाल की रिपोर्ट राष्ट्रपति शासन के पक्ष में नहीं थी और उनके सामने कई संवैधानिक चुनौतियां और बाधाएं भी थीं।

जी-राम-जी बनाम मनरेगा की तार्किकता का प्रश्न

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय संसद की बजाय इथियोपियाई संसद को चुना, विपक्ष के नेता राहुल गांधी म्यूनिख में एक फैंसी बाइक चलाते हुए देखे गए, जबकि उन्हें लोकसभा में बने रहकर राष्ट्र को दरपेश अनेकानेक महत्वपूर्ण मुद्दों पर बहस करनी चाहिए थी, वहीं विदेश मंत्री एस. जयशंकर राज्यसभा की बजाय इस्राइल में थे। गत सप्ताह, शीतकालीन सत्र में सदन से तीन प्रमुख नेताओं के नदारद रहने पर, आप हैरान होंगे : क्या यह संसद की प्रासंगिकता का प्रश्न नहीं है?

यह एक अल्पकालीन सत्र था, हालिया इतिहास के सबसे छोटे सत्रों में से एक। लेकिन इसमें लाए गए महत्वपूर्ण कानूनों की कोई कमी नहीं थी, इनमें सबसे अहम है, प्रति परिवार, प्रति वर्ष 125 दिनों के काम के लिए मजदूरी से संबंधित ह्यजी-राम-जी कानूनह्न, जिसको सत्र समाप्त होने से एक दिन पहले पारित किया गया। चूंकि सत्तापक्ष के पास हमेशा से संख्या बल रहा है, इसलिए इसमें कोई संदेह नहीं था कि ह्यजी-राम-जीह्न मनरेगा की जगह ले लेगा, भले ही कांग्रेस ने संसद के बाहर लगी गांधी की प्रतिमा के सामने कितने भी विरोध प्रदर्शन किए हों।

विपक्ष ने भी यह पूछा कि कानून का नाम क्यों बदला जा रहा है। क्यों महात्मा गांधी के संक्षिप्त नाम के पहले दो अक्षर एमजी को राम से बदला जा रहा है, जबकि सरकार वर्णमाला के किसी भी अन्य शब्द को चुन सकती थी। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, जिन्होंने कानून को पेश करने के काम की अगुवाई, अन्यथा बढ़िया ढंग से की, उनके पास कोई उचित जवाब नहीं था। संसद में गांधी के आदर्श राम राज्य, स्वयं भगवान राम के प्रति उनकी निष्ठा के बारे में भाषणों की गूंज सुनाई दी- लेकिन इस बात का कोई असल कारण नहीं बताया गया कि मनरेगा में बदलाव क्यों किया गया, न तो बातों में और न ही कार्यरूप में।

दिलचस्प बात यह है कि जी-राम-जी का एक पिछला स्वरूप भी था, जिसका जीवनकाल 24 घंटे का था। इसे पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजना का नाम दिया गया था, जो कि अंग्रेजी में लिखे मूल नामकरण, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम का नजदीकी हिंदी अनुवाद था। साफ है, भाजपा ने महात्मा गांधी, या पूज्य बापू को प्रतीकात्मक रूप से राम के नाम से बदलने का फैसला किया।

क्यों? वह हम नहीं जानते। कुछ लोग कहेंगे, आखिर नाम में क्या रखा है? कुछ लोगों का जवाब होगा, सब कुछ है। कि बापू की मृत्यु के लगभग 78 साल बाद, उनका नाम मिटाने की कोशिश है, जिसकी अहमियत को शायद, हम समझ भी न पाएं। गांधी मां-बेटी की जोड़ी ने नारे लगाए और सदन के बाहर मार्च किया, लेकिन कुछ हद तक यह सब आधा-अधूरा था। इस बीच, गांधी परिवार के उत्तराधिकारी म्यूनिख में बीएमडब्ल्यू की साझेदारी में बन रही टीवीएस-450 सीसी मोटरसाइकल चलाते दिखे। हालांकि, पार्टी के कहे मुताबिक, वे वहां इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के नेताओं से पार्टी की विचारधारा को विस्तार देने की रणनीतियों पर चर्चा करने के वास्ते गए हैं। सवाल यह बना हुआ है कि किस देश में।

कुछ ही महीने पहले, राहुल ने बिहार चुनाव में कांटे की लड़ाई लड़ने की बजाय, पार्टी का विस्तार करने के लिए दक्षिण अमेरिका जाने का फैसला किया था। ऐसा लगता है कि इस हफ्ते उनके पदचिन्ह जर्मनी में ही बने रहेंगे। अवश्य ही, जिस किस्म की दिखावेबाजी आजकल विपक्ष कर रहा है, वह आत्मघाती जैसा है। निश्चित तौर पर, अगर यह सब थोड़ा और समय तक चलता रहा, तो जल्द ही कांग्रेस पार्टी को पुनः एकजुट रखना न केवल असंभव होगा, बल्कि घातक भी होगा।

हम जानते हैं कि प्रधानमंत्री संसद की गहमागहमी में इसलिए मौजूद नहीं थे क्योंकि ओमान के साथ मुक्त व्यापार समझौता हस्ताक्षरों के लिए तैयार था–यूके के बाद दूसरी संधि– लेकिन यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि इथियोपिया और जॉर्डन के दौरे इंतजार क्यों नहीं कर सकते थे। जॉर्डन नरेश हुसैन दो साल पहले ही भारत की यात्रा पर आए थे; वापसी दौरा किसी और वक्त भी रखा जा सकता था। जहां तक इथियोपिया की बात है, जिस संसद भवन में मोदी को बोलने के लिए आमंत्रित किया गया था, भले ही वह चीनियों ने न बनाया हो, लेकिन पास के अदीस अबाबा में अफ्रीकी संघ का मुख्यालय उन्होंने ही बनाया है। दरअसल, चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने अफ्रीका भर में 15 मुल्कों के संसद भवन बनाए हैं, लोकतंत्र के प्रति उनकी प्रतिबद्धता इतनी है।

सेकुलरवाद का बहाना, वोटरों पर निशाना

बिहार में जाति-धर्म की सियासी पिच पर बुरी तरह मात खाने के बावजूद इंडिया गठबंधन का भरोसा इसी पर है। तमिलनाडु में जिस तरह कार्तिगई दीपम परंपरा स्थापित करने का आदेश देने वाले मद्रास हाईकोर्ट के न्यायाधीश जी आर स्वामीनाथन के खिलाफ गठबंधन ने लामबंदी की है, उससे यही संकेत मिल रहे हैं। डीएमके सांसद कनिमोई की अगुआई में विपक्षी गठबंधन के 120 सांसदों द्वारा स्वामीनाथन के खिलाफ महाभियोग का नोटिस देना गठबंधन की पारंपरिक राजनीति का ही विस्तार है। विपक्षी गठबंधन यह पचा नहीं पा रहा है कि कथित सेकुलर देश में किसी जज ने बहुसंख्यक सनातनी परंपरा स्थापित करने का निर्णय दे दिया है। स्वामीनाथन के फैसले के अनुसार, जहां कार्तिदीपम मनाया जाना है, वहां एक दरगाह भी है। दरगाह और मंदिर साथ हो तो मंदिर की कीमत पर दरगाह की परंपराएं अपने यहां चलती रही हैं। अब तक की शासन व्यवस्था के लिहाज से ऐसे मामलों में मंदिर के पक्ष में फैसला सवालों के घेरे में आता है।

स्वामीनाथन ने मदुरै जिले की थिरूपरनकुंद्रम की पहाड़ी की चोटी पर कार्तिगई दीपम की परंपरा को स्थापित करने की मंजूरी दी है, जिसे 1920 के एक विवाद के बंद कर दिया गया था। यह बात और है कि डीएमके की अगुआई वाली तमिलनाडु सरकार ने विवाद की आशंका के बहाने अदालत के फैसले को लागू ही नहीं होने दिया। दिलचस्प है कि अल्पसंख्यक समुदाय ने इसका विरोध भी नहीं किया, बल्कि सरकार ही खुद आगे बढ़कर विवाद की आशंका से भर उठी। राज्य सरकार ने स्वामीनाथन के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील कर दी है। लेकिन इस फैसले के लिए स्वामीनाथन को पचा नहीं पा रही है। उसे लगता है कि अगर उसने जज को सबक नहीं सिखाया तो उसकी सेकुलरवाद के बुनियाद पर टिकी राजनीति में दरार पड़ सकती है। जज को सबक सिखाने और न्यायपालिका पर अंकुश लगाने के डीएमके के इस कदम में सबसे हैरतनाक कदम है, अखिलेश यादव का बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना। लोकसभा अध्यक्ष को महाभियोग प्रस्ताव पेश करते वक्त कनिमोई के साथ कांग्रेसी नेताओं और अखिलेश की मौजूदगी के संकेत गहरे हैं। दरअसल महागठबंधन के दल अल्पसंख्यक समुदाय को यह संकेत देने की कोशिश में हैं कि सिर्फ और सिर्फ इंडिया गठबंधन ही उसके हितों के लिए किसी जज को भी सूली पर चढ़ा सकता है। महागठबंधन की कोशिश कुछ महीने बाद होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए राज्य की करीब छह फीसद अल्पसंख्यक आबादी को लुभाना भी है। वैसे देखा जाए तो राज्य की सात करोड़ 21 लाख की आबादी में अल्पसंख्यकों की जनसंख्या महज 42 लाख तीस हजार ही है। ब्राह्मणवाद की बुनियाद पर उभरी डीएमके की राजनीति में अल्पसंख्यकवाद पिछड़ी जातियों को लुभाने का भी मंत्र रहा है। राज्य की अधिसंख्य पिछड़ी आबादी को भी लुभाने की इस बहाने की कोशिश हो रही है। इसीलिए कार्तिगई दीपम की परंपरा को रोकने में डीएमके को कोई हिचक नहीं हुई।

इस पूरे मसले पर चर्चा से पहले जानना जरूरी है कि कार्तिगई दीपम त्योहार है क्या? दक्षिम के दीप पर्व के रूप में विख्यात कार्तिगई दीपम भगवान मुरूगन के सम्मान में तमिल महीने में दीप जलाने की परंपरा है। शिव और पार्वती के बड़े पुत्र कार्तिकेय तमिलनाडु में मुरूगन और सुब्रह्मण्यम के नाम से भी जाने जाते हैं। मदुरै जिले की जिस थिरुपरनकुंद्रम की पहाड़ी पर कार्तिगई दीपम मनाने का आदेश अदालत ने दिया, वह भगवान मुरूगन की छह पवित्र जगहों में से एक है। मान्यता है कि ब्रह्मा और विष्णु के बीच विवाद को सुलझाने के लिए शिवजी स्वयं अनंत अग्निस्तंभ के रूप में प्रकट हुए थे। उसी दीप स्तंभ की स्मृति स्वरूप उचिपिल्लायर मंदिर के पास प्राचीन दीपाथुन नामक स्तंभ के नजदीक महादीपक जलाया जाता है। थिरूपरनकुंद्रम की पहाड़ी पर भी इसकी परंपरा रही। लेकिन बाद में वहां मंदिर के नजदीक ही एक दरगाह स्थापित हो गई। दरगाह के बाद सेकुलरवाद को बढ़ावा देना जरूरी था, लिहाजा दीपम की परंपरा अधिकारियों ने रोक दी। जिसे शुरू करने को लेकर अदालती हस्तक्षेप की मांग की गई। पहले मदुरै की जिला अदालत में मामला चला और बाद में मद्रास हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। जिसकी सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति जीआर स्वामीनाथन ने पहाड़ी पर दीप जलाने की परंपरा शुरू करने का आदेश दिया। इसके बाद पहाड़ी पर तीन दिसंबर को दीप जलाने श्रद्धालुओं का जमावड़ा होने लगा। लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। राज्य की स्टालिन सरकार का कहना था कि इससे खून-खराबा हो सकता है। जबकि अल्पसंख्यकों की ओर से ऐसी कोई कोशिश या बयानबाजी भी नहीं हुई थी। बहरहाल, डीएमके सरकार के इस फैसले ने राज्य में पैर जमाने की कोशिश में बैठी बीजेपी को मुद्दा दे दिया। पार्टी का कहना है कि डीएमके सेक्युलरिज्म की बात करती तो है, लेकिन उसके निशाने पर सिर्फ. हिंदू समुदाय ही रहता है। बीजेपी का आरोप है कि डीएमके ने कभी किसी गैर हिंदू परंपरा, दरगाह या आदि पर कभी कोई सवाल नहीं खड़ा किया। बीजेपी पूछ रही है कि आखिर राज्य के हिंदुओं ने कौन सी गलती की है कि उन्हें दीप जलाने के अधिकार के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है।

> स्वामीनाथन ने मदुरै जिले की थिरूपरनकुंद्रम की पहाड़ी की चोटी पर कार्तिगई दीपम की परंपरा को स्थापित करने की मंजूरी दी है, जिसे 1920 के एक विवाद के बंद कर दिया गया था। यह बात और है कि डीएमके की अगुआई वाली तमिलनाडु सरकार ने विवाद की आशंका के बहाने अदालत के फैसले को लागू ही नहीं होने दिया

डीएमके की पूर्ववर्ती जस्टिस पार्टी की स्थापना 1916 में हुई थी। उसका घोषित उद्देश्य एनी बेसेंट की अगुआई वाले होम रूल लीग आंदोलन का विरोध था। जस्टिस पार्टी का मानना था कि अगर होमरूल आंदोलन सफल हुआ तो तमिलनाडु में जारी ब्राह्मणवाद की वजह से ब्राह्मण अधिकारियों की तादाद बढ़ जाएगी। एक तरह से कह सकते हैं कि जस्टिस पार्टी की स्थापना ब्राह्मणवाद के विरोध के लिए हुई थी। कालांतर में उसकी ब्राह्मणवाद विरोध की राजनीति बढ़ते-बढ़ते ब्राह्मण विरोध पर केंद्रित हो गई। बाद में उसके विरोध के दायरे में हिंदी और पूरी सनातन परंपरा समा गई। यही वजह है कि स्टालिन कुनबे को हिंदुत्व की कटु आलोचना से कभी परहेज नहीं रहता। अहर्निश हिंदी विरोध और अब कार्तिगई दीपम का विरोध इसी परंपरा का विस्तार है।

विपक्षी गठबंधन को इन दिनों संविधान बचाने की बहुत चिंता है। संविधान खतरे में है की आवाज बुलंद करने वाले विपक्षी गठबंधन के दलों की नजर में न्याय वही है, जो उनके नैरेटिव के हिसाब से हो, अन्यथा वह सेकुलरवाद का विरोध है। राममंदिर पर सर्वोच्च न्यायाल के फैसले को ये दल अब भी दिल से स्वीकार नहीं कर पाए हैं। इंदिरा गांधी के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट ने चुनावी कदाचार के आरोप में रायबरेली का निर्वाचन खारिज कर दिया था, तब न्यायपालिका की शक्तियां ही क्षीण कर दी गईं। मोहन कुमार मंगलम तो इससे भी दो कदम आगे बढ़ते हुए प्रतिबद्ध न्यायपालिका की बात करने लगे थे।

पिछले साल इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति शेखर यादव के एक बयान को लेकर भी विपक्षी गठबंधन नाराज हो गया था। शेखर ने कहा था, ‍‍श्ये कहने में बिल्कुल गुरेज नहीं है कि ये हिन्दुस्तान है। यहां रहने वाले बहुसंख्यकों के अनुसार ही देश चलेगा। यही कानून है। आप यह भी नहीं कह सकते कि हाई कोर्ट के जज होकर ऐसा बोल रहे हैं। कानून तो बहुसंख्यक से ही चलता है।श्र इसी अंदाज में स्वामीनाथन पर भी निशाना साधा जा रहा है। इसने एक बार फिर डीएमके और इंडिया गठबंधन की सियासी रणनीति का चेहरा उजागर किया है।

संक्षिप्त समाचार

इन्द्रप्रस्थ सामुदायिक केंद्र पर हुआ क्रिसमस मेले का आयोजन

वाराणसी। मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन की प्रेरणा से वाराणसी मंडल पर आज 25.12.2025 को इन्द्रप्रस्थ सामुदायिक केंद्र में रेल कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के लिए क्रिसमस मेले का आयोजन किया गया । क्रिसमस मेले का औपचारिक उद्घाटन सेंटाक्लाज के रूप में सज्ज छोटे बच्चों से मंडल रेल प्रबंधक श्री आशीष जैन एवं मंडल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती वानी जैन द्वारा फीता काटकर एवं केक काटकर कराया गया । इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री अभिनव कुमार सिंह,वरिष्ठ मंडल सामाग्री प्रबंधक श्री नितेश अग्रवाल,सहायक कार्मिक अधिकारी श्री वीरेन्द्र यादव,सहायक वाणिज्य प्रबंधक श्री पीएस रावत,एन ई रेलवे मेन्स कांग्रेस के केंद्रीय मंत्री श्री अखिलेश पाण्डेय,मंडल अध्यक्ष श्री मनोज कुमार समेत रेलवे कर्मचारी एवं उनके परिजन उपस्थित थे। यह मेला क्रिसमस की भावना और स्थानीय समुदाय की जीवंत संस्कृति का जश्न मनाने के लिए आयोजित किया गया था। क्रिसमस मेले के मुख्य आकर्षणों में महिला समिति के मसाला केंद्र के उत्पाद,बनारसी चाट,टी स्टॉल, मानसिक खेलों के स्टॉल शामिल थे।

इस अवसर पर सभी को क्रिसमस दिवस की शुभकामनाएं देते हुए मंडल रेल प्रबंधक श्री आशीष जैन ने बताया कि वाराणसी मंडल पर पहली बार क्रिसमस मेला का आयोजन किया जा रहा है जो भविष्य में और भव्य रूप में मनाया जाएगा । क्रिसमस का अवसर पुराने साल की अच्छी बुरी बातों को याद करने और हर्षोल्लास के साथ नए साल के स्वागत का भी अवसर होता है। ऐसे अवसरों पर कर्मचारियों एवं उनके परिवारों का एक दूसरे के साथ सहयोग की भावना बढ़ती है।

इस अवसर मंडल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष,श्रीमती वानी जैन ने बच्चों को चॉकलेट कैंडी बांटकर क्रिसमस की शुभकामना दी और अपने सम्बोधन में कहा, यह मेला न केवल छुट्टियों के मौसम की खुशी फैलाने के बारे में है, बल्कि रेलवे कालोनी में रहने वाले कर्मचारियों के परिवारों में आपसी सौहार्द बढ़ाने,समन्वय स्थापित करने के साथ-साथ आत्मविश्वास बढ़ाने का भी एक तरीका है। हम सभी रेलवे कालोनी निवासियों और रेलवे कर्मचारियों के परिवारों को इस उत्सव में शामिल होने से सौहार्द्र और एकजुटता की भावना बढ़ती है। वाराणसी मंडल में आयोजित क्रिसमस मेले में रेलवे कर्मचारियों के बच्चों के लिए सांता क्लॉज से मिलने,चॉकलेट व कैंडी उपहार लेने और मजेदार खेलों में शामिल होने के लिए विशेष गतिविधियाँ आयोजित की गयीं थी । आयोजन के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों साध्वी,राधिका, आयुष, अत्रिय ,अक्षय,आशीष,अनु आदि ने सेंटा गीत,कैरोल गीत और मनोहारी नृत्य का प्रदर्शन कर उत्सव को और भी मनोरंजक बनाया । इस अवसर पर बच्चों के लिए म्यूजिकल चेयर समेत इनडोर प्रतियोगिताएं आयोजित की गई और स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री अभिनव कुमार सिंह द्वारा किया गया।

पराक्रम के प्रतीक थे बिजली पासीः सपा

जौनपुर। समाजवादी पार्टी के तत्वाधान में जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में वीर शिरोमणि महाराजा बिजली पासी की जयंती पार्टी के जिला कार्यालय सदर चुंगी अल्फस्टीनगंज में समारोह पूर्वक मनाई गई।सर्वप्रथम उपस्थित पार्टी जनों ने महाराजा बिजली पासी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया तत्पश्चात गोष्ठी आयोजित कर उनके शौर्य पूर्ण कार्यकाल की चर्चा कराई तथा उपस्थित सपाजनों ने उनके विचारों पर चलने का संकल्प लिया। जिला अध्यक्ष ने कहा कि बहुजन नायक और दलित गौरव के प्रतीक महाराजा बिजली पासी को याद कर रहा है। महाराजा बिजली पासी 12वीं सदी के एक महान और स्वाभिमानी राजा थे, जिन्होंने अवध क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से शासन किया। उन्होंने पासी समुदाय के साथ-साथ समूचे दलित समाज के लिए गौरव का इतिहास रचा। वह न केवल एक कुशल शासक थे, बल्कि अदम्य साहस और पराक्रम के प्रतीक भी माने जाते हैं। मछलीशहर की सांसद प्रिया सरोज ने कहा कि जब शौर्य और तलवार के दम पर सत्ता संभालकर देश और समाज को न्याय, सुरक्षा प्रदान करने की जरूरत पडी तो पासी समाज ने महाराजा बिजली पासी बनकर देश प्रदेश की सुरक्षा की हमे पासी समाज में पैदा होने पर गर्व है।हमारा गौरवशाली इतिहास हमे जीवन पर्यंत साहस और प्रेरणा देता रहेगा। गोष्ठी को संजय सरोज, राजकुमार सरोज, डॉक्टर श्याम प्रकाश सरोज, हरिश्चंद्र प्रभाकर वीरेंद्र यादव ने संबोधित करते हुए महाराजा बिजली पासी जी की शौर्य गाथा का वर्णन किया।

कैंप कार्यालय पर सभासदों के साथ नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने दी अटल बिहारी को श्रद्धांजलि

मिजार्पुर से बसन्त कुमार गुप्ता की रिपोर्ट, मीरजापुर। नगर पालिका अध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने गुडहट्टी स्थित कैंप कार्यालय पर भाजपा सभासदों के साथ पंडित अटल बिहारी वाजपेयी के छायाचित्र पर माल्यार्पण और पुष्प अर्चन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आज हम सभी मिलकर भारत के पूर्व पीएम का 101वी जयंती मना रहे है।अटल बिहारी वाजपेई का जन्म 25 दिसम्बर 1924 को हुआ था।अटल बिहारी वाजपेई की सोच, जीवन चरित्र और आदर्श ने इस देश को दिशा और दशा देने का काम किया है। इस देश में आजादी से पहले तीन विचारधारा काम कर रही थी।एक विचारधारा कांग्रेस की थी,दूसरी वामपंथ और तीसरी आरएसएस की थी। आरएसएस की विचार थी हम यहां और आर्य यहां के मूल निवासी है।इस विचारधारा के तहत देश को पुनः निर्माण करना है।कांग्रेस के नवनिर्माण और और हमारी पुनः निर्माण की विचारधारा की जो लड़ाई है, उसमें नवनिर्माण की विचारधारा धीरे धीरे नेस्तनाबूत हो रही है। हमे उस भारत का निर्माण करना है, जो विश्व गुरु था,सोने के चिड़िया के नाम से जाना जाता था।हमे ऐसे भारत का निर्माण करना है जो एक अलग सामाजिक सहभागिता,सहयोग और समन्वय, उस प्राकृतिक और भारतीयता का निर्माण करना है।इस देश में दो विचारधारा है, जिसमें एक विचारधारा देश के सनातन और हिंदू के लिए काम का रही है।वहीं पंडित अटल बिहारी वाजपेई संघ से जुड़ते है और भारतीय जन संघ की स्थापना होती है, इसके अटल बिहारी वाजपेई भी संस्थापक सदस्यों में प्रमुख रहते है।जन संघ से हटकर जब भारतीय जनता पार्टी की स्थापना होती हैं।दो सांसदों से शुरू करने वाली इस पार्टी को लालकृष्ण आडवाणी और अटल बिहारी बाजपेई ने काफी संघर्षों और लड़ाइयों के बाद 1996 में भाजपा की सरकार बनी।उनके नेतृत्व में देश ने कई मुकाम हासिल किए।विदेशी दबाव के बावजूद अटल जी की सरकार ने परमाणु परीक्षण कर देश को परमाणु सम्पन्न देश बनाया।देश को कई प्रतिबंधों को सामना भी करना पड़ा।

एक तरफा मुकाबले में वाणिज्य ने लेखा विभाग को हराकर किया सेमीफाइनल में प्रवेश

वाराणसी। मंडल रेल प्रबन्धक वाराणसी श्री आशीष जैन के निर्देशन में एवं मंडल क्रीडा अधिकारी श्री बालेन्द्र पॉल के नेतृत्व में पूर्वोत्तर रेलवे लहरतारा स्थित रेलवे स्टेडियम में चल रही अंतर विभागीय टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता का आज 25 दिसम्बर 2025 को वाणिज्य और लेखा विभाग के बीच क्वार्टर फाइनल मैच खेला गया । टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए लेखा विभाग पूरी टीम 14.4 ओवर में 53 रन पर धराशायी हो गई । लेखा विभाग की तरफ से प्रमोद यादव 12 रन और राजेश सिंह 13 रन ही दहाई के अंक को पार कर सके । वाणिज्य विभाग की तरह से कपिल ने चार ओवर में 15 रन देकर तीन विकेट अमित राज ने 1.4 ओवर में चार रन देकर तीन विकेट लिए दीपक को दो और भूषण को एक विकेट प्राप्त हुआ । 54 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वाणिज्य विभाग की टीम ने 8.4 ओवर में दो विकेट पर 55 रन बनाकर 8 विकेट से मैच जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया । वाणिज्य विभाग की तरफ से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री शेख रहमान

ने 30 बाल पर चार चौके की मदद से 24 रन बनाए ।लेखा विभाग के शिव शंकर ने दो ओवर में पांच रन देकर एक विकेट लिया । वाणिज्य विभाग के अमित राज को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शेख रहमान के द्वारा दिया गया। कल प्रतियोगिता में कार्मिक और सिगनल विभाग के बीच मैच खेला जाएगा।

6 जनवरी से प्रस्तावित परीक्षाओं के स्थगन की मांग, शिक्षक संघ ने कुलपति को भेजा मांग पत्र

ब्यूरो चीफ गाजीपुर संजय यादव, गाजीपुर। गाजीपुर ज़िले से है जहां पर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय शिक्षक संघ और पीजी कॉलेज शिक्षक संघ ने विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा शीतकालीन अवकाश के मध्य परीक्षा आयोजित करने के निर्णय पर कड़ी आपत्ति जताई है। शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने पीजी कॉलेज, गाजीपुर के प्राचार्य डॉ. राघवेन्द्र पाण्डेय को कुलपति के नाम संबोधित एक मांग पत्र सौंपा और इस निर्णय पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया।

अवकाश की गरिमा और शिक्षकों की समस्याओं पर चर्चाः

महाविद्यालय शिक्षक संघ के महामंत्री डॉ. मनोज कुमार सिंह एवं विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के संयुक्त मंत्री (वरिष्ठ) डॉ. जे. के. राव ने पत्र में स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालय द्वारा 25 दिसंबर 2025 से 9 जनवरी 2026 तक शीतकालीन अवकाश घोषित किया गया है। शिक्षकों का तर्क है किः मूल भावना का उल्लंघनः घोषित अवकाश की अवधि में परीक्षा कराना अवकाश की सार्थकता को समाप्त करना है। पारिवारिक दायित्वः सतत शिक्षण, मूल्यांकन और आंतरिक परीक्षाओं के बाद शिक्षक इस समय का उपयोग अपने परिवार और बुजुर्ग माता-पिता के साथ बिताने के लिए करते हैं। बीच में परीक्षा होने से शिक्षकों की व्यक्तिगत और सामाजिक योजनाएं पूरी तरह बाधित हो जाएंगी। न्यायपूर्ण व्यवहारः शिक्षकों का कहना है कि अवकाश के दौरान वीक्षण ड्यूटी पर लगाया जाना उनके अधिकारों का हनन है।

कन्टीजेन्ट सहित 100 होमगार्ड को जिला कमांडेंड होमगार्ड ने प्रयागराज माघ मेला के लिए हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

मीरजापुर। माघ मेला-2025-26 प्रयागराज को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु जनपद मीरजापुर से कुल 100 होमगाड्र्स मय कन्टीजेन्ट इंचार्ज बी०ओ०, श्री दिनेश कुमार मिश्रा एवं श्री बी०ओ० श्री परशुराम को पी०ए०सी० की 02 बसों से श्री विन्ध्याचल पाठक, जिला कमाण्डेन्ट, होमगाड्र्स मीरजापुर द्वारा हरी झण्डी दिखा कर रवाना किया गया। जनपद मीरजापुर से 50 होमगाड्र्स माघ मेला क्षेत्र की जहां यातायात व्यवस्था को संभालेंगे वहीं 50 सामान्य श्रेणी के होमगाड्र्स मेला में बाहर से आने वाले स्नानार्थियों की सुरक्षा व्यवस्था के साथ ही संगम क्षेत्र के विभिन्न घाटों पर यात्रियों को पहुंचाने में मदद करेंगे। रवाना होने से पूर्व जिला कमाण्डेन्ट, विन्ध्याचल पाठक ने संबोधित करते हुए कहा कि माघ मेला क्षेत्र यात्रियों / स्नानार्थियों के बीच में मीरजापुर के होमगाड्र्स जवानों को जाने का अवसर प्रथम बार मिला है। अतः ड्यूटी के साथ-साथ बाहर के यात्रियों के साथ सेवा भाव का सलूक किया जाए ताकि मीरजापुर/विन्ध्य धाम से गए होमगाड्र्स की सेवाओं का संदेश दूर-दूर तक पहुंचे। तत्समय अधोहस्ताक्षरी के साथ जिला कमाण्डेन्ट के सहायक श्री संतोष शर्मा, बी०ओ० श्री रविन्द्र कुमार, बी०ओ० श्री मनोज कुमार सिंह, बी०ओ० श्री सुखचन्द्र मिश्रा, बी०ओ० श्री प्रमोद कुमार, बी०ओ० श्री अजय सिंह एवं अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

शिक्षकों की मांगो को लेकर बीएसए से मिला राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ प्रतिनिधिमंडल

सोनभद्र। शिक्षकों और शिक्षामित्रों से जुड़ी लंबित मांगों को लेकर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ सोनभद्र का एक प्रतिनिधिमंडल जिलाध्यक्ष अशोक कुमार त्रिपाठी, जिला महामंत्री इन्दुप्रकाश सिंह तथा जिला मीडिया प्रभारी सौरभ कार्तिकेय के नेतृत्व में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने चयन वेतनमान शीघ्र जारी किए जाने और शिक्षामित्रों के समायोजन व स्थानांतरण से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

वार्ता के दौरान जिलाध्यक्ष ने चयन वेतनमान की सूची अब तक जिला स्तर से जारी न होने पर असंतोष व्यक्त किया। साथ ही कुछ विकासखंडों में सभी कार्यरत शिक्षामित्रों से आवेदन मंगाए जाने के मामले को उठाते हुए इसे असंगत बताया।

जिला महामंत्री ने यह भी अवगत कराया कि कुछ स्थानों पर चयन वेतनमान के लिए ऑफलाइन आवेदन लिए जा रहे हैं, जबकि प्रक्रिया ऑनलाइन निर्धारित है। इस पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल आनन्द पाण्डेय ने स्पष्ट किया कि चयन वेतनमान की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन है। उन्होंने बताया कि पत्रावलियों के निस्तारण में जिले स्तर पर तकनीकी दिक्कतें सामने आई हैं, जिनके समाधान के लिए शासन स्तर पर मार्गदर्शन मांगा गया है। समस्या के शीघ्र समाधान के बाद सूची जारी कर दी जाएगी। शिक्षामित्रों के आवेदन के संबंध में उन्होंने स्पष्ट किया कि आवेदन केवल उन्हीं अभ्यर्थियों से लिया जाना है, जो स्थानांतरण चाहते हैं। प्रतिनिधिमंडल ने कड़ाके की ठंड और शीतलहर के चलते जनपद में शिक्षकों के साथ-साथ बच्चों को भी राहत दिए जाने का विषय उठाया, जिस पर बीएसए द्वारा सकारात्मक रुख दिखाया गया।

राजकीय बालिका हाईस्कूल चिल्ह (कोन ब्लाक) में करियर मेला का किया गया आयोजन

मिर्जापुर से बसन्त कुमार गुप्ता की रिपोर्ट, मिर्जापुर। समग्र शिक्षा अभियान के अन्तर्गत पंख पोर्टल करियर गाइडेन्स के अन्तर्गत राजकीय बालिका हाईस्कूल चिल्ह (कोन ब्लाक) मीरजापुर में करियर मेला तथा विद्यालय का वार्षिकोत्सव भव्य रूप से मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक मिजार्पुर माया राम द्वारा दीप प्रज्वलित कर और माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान सांस्कृति कार्यक्रमों सरस्वती वन्दना, स्वागत गान आदि से आये हुए अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि द्वारा करियर मार्गदर्शन की जानकारी देते हुए सही दिशा में प्रयास करते हुए मेहनत और दृढ़ता के साथ आगे बढ़ने को प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका स्मृति यादव के द्वारा सभी आये हुए अतिथियों को शॉल व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर महेन्द्र सोनकर , श्रवण पाठक, संतोष कुमार सोनकर, डा- सुषमा सिंह, सुनीता मिश्रा, मनोज, सुवेदार निषाद, अरविन्द कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

यूपीआई के माध्यम से गलती से ट्रांसफर हुई सम्पूर्ण धनराशि रुपये 3500/- को पीड़ित के खाते में कराया गया वापस

मिर्जापुर। आवेदक श्याम सुन्दर पुत्र बालकिशुन गौड़ निवासी ग्राम पिपराडाड़ थाना को0 देहात जनपद मीरजापुर द्वारा दिनांकः 23.11.2025 थाना स्थानीय पर आकर बताया गया कि दिनांक 21.07.2025 को फोन पे के माध्यम से पैसा भेजते समय गलती से किसी अज्ञात व्यक्ति के खाते में रुपये 3500/- ट्रांसफर हो गया और पैसा वापस नहीं किया जा रहा हैं। थाना को0देहात की साइबर सेल टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए NCRP Portal पर शिकायत दर्ज किया गया। सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में थाना को0देहात साइबर सेल टीम द्वारा उपरोक्त प्रकरण में जाँच एवं नियमानुसार कार्यवाही करते हुए आवेदक के खाते में सम्पूर्ण धनराशि 3500/- को वापस कराया गया। खाते में पैसे वापस आने पर आवेदक द्वारा थाने पर उपस्थित होकर मीरजापुर पुलिस के पुलिस उच्चाधिकारी एवं थाना को0देहात साइबर सेल टीम की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए धन्यवाद दिया गया।

पुलिस टीम–

अमित मिश्रा, प्रभारी निरीक्षक थाना को0देहात, मीरजापुर।

महिला आरक्षी प्रियंका सिंह, थाना को0देहात साइबर सेल, मीरजापुर।

मिर्जापुर के टटहाई रोड पर हादसे को दावत दे रहा जर्जर बिजली का खंभा, विभाग की लापरवाही से लोगों में भारी आक्रोश

मिर्जापुर। नगर के व्यस्ततम इलाकों में से एक, टटहाई रोड पर बिजली विभाग की घोर लापरवाही सामने आई है। यहाँ सड़क किनारे खड़ा बिजली का एक खंभा पूरी तरह से जर्जर हो चुका है और कभी भी धराशायी हो सकता है। विभाग की इस अनदेखी के चलते स्थानीय निवासियों और राहगीरों में भारी आक्रोश व्याप्त है। टटाई रोड पर लगा यह बिजली का खंभा अपनी नींव से कमजोर हो चुका है और सड़क की ओर काफी झुक गया है। चूँकि यह रास्ता काफी चलता-फिरता है, ऐसे में अगर यह खंभा गिरता है, तो किसी बड़ी जनहानि से इनकार नहीं किया जा सकता।

स्थानीय दुकानदारों और निवासियों का आरोप है कि इस समस्या के बारे में बिजली विभाग को कई बार अवगत कराया गया है, लेकिन अधिकारियों के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही। ऐसा लगता है कि विभाग किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है।

पूर्व सैनिकों में आक्रोश, फूंका बांग्लादेश आईएसआई का पुतला

पीडीयूनगर। आज जनपद पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर मुगलसराय में गंजी प्रसाद चौराहे पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद एवं फील्ड मार्शल मानकसा पूर्व सैनिक संगठन एवं अन्य संगठनों ने बांग्लादेश में हो रहे निर्दोष हिंदुओं के ऊपर। अत्याचार उनकी निशंस हत्या के खिलाफ प्रदर्शन किया इस अवसर पर बांग्लादेश, यूनुस खान, आईएसआई मुदार्बाद के नारे लगा करके पुतला दहन किया। इस अवसर पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद काशी प्रान्त के संगठन मंत्री डॉ० के एन पाण्डेय के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में पूर्व सैनिकों एवं अन्य सामाजिक लोगों ने भाग लिया।

मौके पर कैप्टन विनोद उपाध्याय अनिल लोझा अजीत सिंह सूबेदार जगदीश दुबे सूबेदार बसंत यादव राजनारायण मौर्य संजय कुमार सिंह अखिलेश सिंह सतप्रकाश राय कैप्टन रमेश शर्मा कैप्टन भीम पांडे विनय मौर्या लाल बाबू गुप्ता संजय दुबे दिनेश सिंह संतोष पाण्डेय शिवपूजन जायसवाल डॉ एके सिंह कुमार गुप्ता सुनील कुमार गुप्ता सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

नए साल का जश्न

भीड़ से दूर, सुकून भरे ये 5 डेस्टिनेशन्स बनाएंगे 2025 यादगार

नए साल 2026 के स्वागत के लिए भीड़भाड़ से दूर, शांति और सुकून का अनुभव देने वाली भारत की 5 बेहतरीन जगहें बताई गई हैं। उत्तराखंड का लैंडोर, हिमाचल की तीर्थन वैली, कर्नाटक का गोकर्ण, मध्य प्रदेश का ओरछा और अरुणाचल की जीरो वैली, ये सभी डेस्टिनेशन यादगार न्यू ईयर मनाने के लिए उपयुक्त हैं।

नए साल के जश्न में अब ज्यादा समय नहीं बचा है। अगर आप भी कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो यह लेख आपके लिए बिल्कुल सही है। न्यू ईयर का जश्न शानदार तरीके से मनाने के लिए आप । फैमिली और दोस्तों के साथ इन 5 खूबसूरत और शांत जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।। अगर आप कम भीड़ वाली जगहों की तलाश में हैं, तो यह लेख आपके लिए है। भारत की 5 ऐसी बेहतरीन जगहें, जहां आप मजेदार न्यू ईयर मना सकते हैं। साल 2025 का आखिरी महीना शुरू हो चुका है और कुछ ही दिनों में हम सभी नए साल 2065 का स्वागत करेंगे। ऐसे में न्यू ईयर मनाने के लिए समय कम बचा है। यदि आप अपने दोस्तों या परिवार के साथ घूमने की सोच रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके काम आएगा। भीड़भाड़ से दूर न्यू ईयर मनाने के लिए आप भारत की इन खूबसूरत जगहों को ज़रूर चुनें। नए साल का जश्न और यादगार बनाने के लिए इन 5 डेस्टिनेशन्स पर जरूर जाएं।

लैंडोर, उत्तराखंड

अगर आपको भी पहाड़ों पर घूमने का शौक है, तो आप लैंडोर आपके लिए जन्नत से कम नहीं है। मसूरी से कुछ ही ऊपर बसा है यह छोटा-सा कस्बा शांति और पुरानी ब्रिटिश वास्तुकला के लिए फेमस है। यहां पर आपको देवदार के घने जंगल हैं और हवा में एक अलग ही जादू है। यहां आप शानदार तरीके से न्यू ईयर का जश्न मना सकते हैं।

तीर्थन वैली, हिमाचल प्रदेश

यदि आप प्रकृतिक नजारों का आनंद लेना चाहते हैं, तो आप कुल्लू और मनाली नहीं, बल्कि तीर्थन वैली घूमने का प्लान बना सकते हैं। यहां पर बहती नदी की कल-कल आवाजें और लकड़ी के सुंदर घर आपको मंत्रमुग्ध कर देंगे। यह जगह ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क के नजदीक है। इधर आप फिशिंग कर सकते हैं, ट्रेकिंग और नदी किनारे बैठ सकते हैं।

गोकर्ण, कर्नाटक

अगर आप बीच लवर है तो आप गोवा को भूल जाइए, इसकी जगह गोकर्ण घूमने जा सकते हैं। यहां पर ओम बीच और पैराडाइज बीच पर सनसेट का सुंदर नजारे को देख सकते हैं। गोकर्ण में पार्टी का माहौल और आध्यात्मिकता की शांति भी मिलती है। यहां पर आप समुद्र की लहरों की आवाज सुनते हुए रेत पर नंगे पैर चलकर अपने नए साल का स्वागत कर सकते हैं।

ओरछा, मध्य प्रदेश

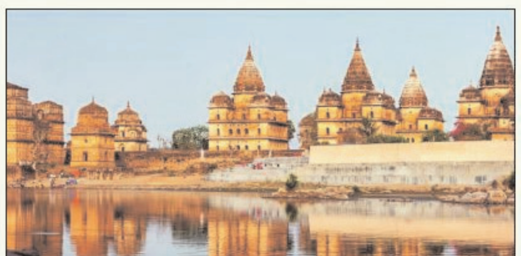

यदि आपको इतिहास और शाही अंदाज के अत्यधिक शौकीन हैं, तो मध्य प्रदेश का ओरछा शहर जरुर घूमने का प्लान बनाएं। यह बेतवा नदी किनारे बसा हुआ एक शहर जो कि आपको समय से पीछे ले जाएगा। यहां किले, महल और छतरियां देखने लायक बनती हैं। शाम को नदी के किनारे बैठकर सनसेट नजारे का आनंद ले सकते हैं। यहां की वास्तुकला भी बेहद शानदार है।

जीरो वैली, अरुणाचल प्रदेश

आपको एकदम हटके और अनोखा एक्सपीरिएंस लेना है, तो नॉर्थ-ईस्ट की तरफ जा सकते हैं। आप अरुणाचल प्रदेश की जीरो वैली अपनी हरियाली और आदिवासी संस्कृति के लिए लोकप्रिय है। यहां पर मौजूद हरे-भरे चावल के खेत और ऊंचे पाइन के जंगल किसी खूबसूरत पेंटिंग की तरह दिखाई देते हैं। यह जगह इतनी शांत और सुकूनभरी है कि आपको अपनी धड़कनों की आवाज तक सुनाई दे सकती है। इसलिए नए साल की शुरुआत शांत और सुकून वाली जगहों से करें।

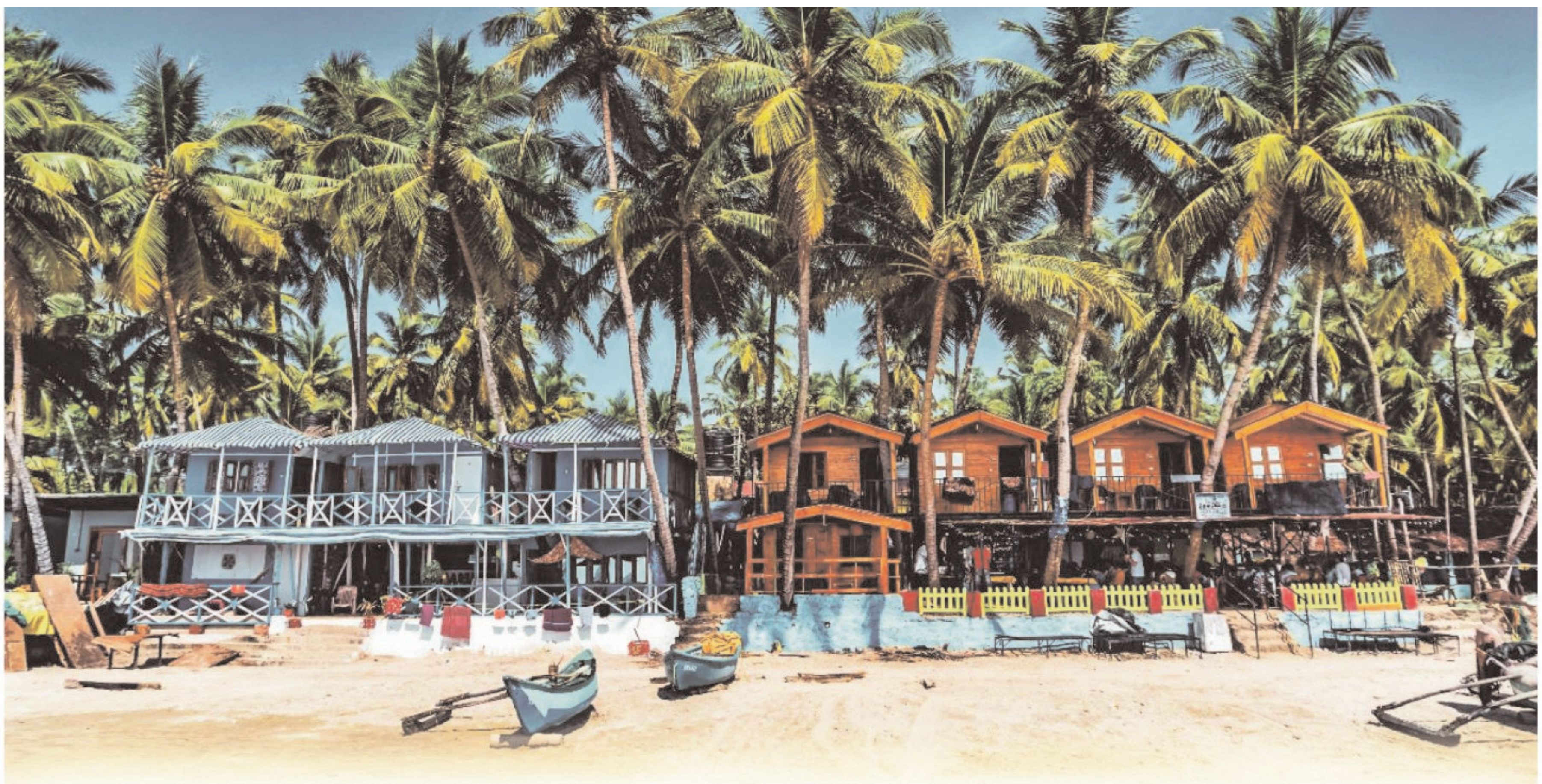

सर्दियों की ठिठुरन मिटाएं

भारत की ये 5 गर्माहट भरी जगहें बनेंगी परफेक्ट विंटर गेटवे

सर्दियों के मौसम में सुबह उठते ही रजाई छोड़ने का मन बिल्कुल भी नहीं करता है। नहाने के नाम से कंपकंपी शुरु हो जाती है। अगर आप भी ठिठुरन वाली सर्दी से बचना चाहते हैं, तो आप शानदार बीच वैकेशन पर जा सकते हैं। आने वाले दिनों में उत्तर भारत में ठंड का ऐसा कहर देखने को मिलेगा किह कि सूरज देवता भी कोहरे की चादर ओढ़कर सो रहे होंगे। चार-चार स्वेटर पहनने के बाद भी जब ठंड हड्डियों तक पहुंचने लगे, तो समझ आता है कि सर्दी अपने चरम पर है। ऐसे में आपके मन में एक ही सवाल आता है कि काश कही थोडी धूप और हल्की गर्माहट मिल जाए। ऐसे में आप सर्दी में विटामिन डी यानी भरपूर धूप लेने के लिए समुद्र की लहरों में छुट्टियां बिता सकते हैं। इस लेख में हम आपको 5 ऐसी जादुई जगहों के बारे में बताएंगे, जहां पर आप सर्दी में छुट्टी मनाने के लिए जा सकते हैं।

गोवा

सर्दियों में धूप का नाम लिया जाए और गोवा का ख्याल न आए, ऐसा हो ही नहीं सकता। जब बाकी देश स्वेटर में ठिठुर रहा होता है, तब गोवा में लोग टी-शर्ट और शॉर्ट्स पहनकर समुद्र किनारे मज़े कर रहे होते हैं। दिसंबर और जनवरी में यहां का मौसम न तो बहुत गर्म होता है और न ही ठंडा बिल्कुल परफेक्ट होता है। ठंडी ड्रिंक्स के साथ सनबाथ लेने का मजा ही कुछ और है।

पुडुचेरी

अगर आप शोर-शराबे से दूर जाना चाहते हैं, तो पुडुचेरी जरुर जाएं। यहां की फ्रेंच वास्कुला, रंग-बिरंगे घर और खूबसूरत समुद्र तट आपको एकदम हटके फील कराएंगे। पुडुचेरी का मौसम इतना प्यारा है कि आप आराम से साइकिल चलाकर पूरा शहर घूम सकते हैं। इधर आप फ्रेंच कैफे में बैठकर फ्रेच खाने का मजा ले सकते हैं।

अंडमान और निकोबार

यदि आपका बजट जबरदस्त है, तो आप अंडमान और निकोबार घूमने जा सकते हैं। यहां का नीला पानी और सफेद रेत आपको मंत्रमुग्ध कर देगी। यहां आप स्कूबा डाइविंग जैसे वॉटर स्पोर्ट्स का मजा ले सकते हैं। अंडमान और निकोबार में पानी के अंदर की दुनिया देखने के लिए सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। इस मौसम में यहां का पानी एकदम साफ और शांत नजर आता है।

गोकर्ण, कर्नाटक

अगर आप गोवा नहीं जाना चाहते हैं, तो इस ऑफबीट जगह पर जरुर जाएं। भीड़भाड़ से दूर गोकर्ण एक छिपा हुआ खजाना है। यहां के ओम बीच और कुडल बीच बेहद ही शांत और साफ है। इसके अलावा, आप यहां पर मंदिर के दर्शन के साथ ही समुद्र की लहरों का आनंद ले सकते हैं। यहां पर आप डूबते हुए सूरज देखने का नजारा का आनंद ले सकते हैं।

केरल

यहां की हरियाली और बैकवाटर्स सर्दियों में और भी खूबसूरत हो जाते हैं। यहां पर आप मुन्नार के चाय बागनों में घूम सकते हैं या अल्लेप्पी में हाउसबोट पर रहकर पानी के बीच सुकून के पल बिता सकते हैं। यहां पर आपको नॉर्मल मौसम मिलेगा, क्योंकि यहां ठंड नहीं पड़ती, बल्कि हल्की-मीठी सी ठंडक होती है, जो काफी सुकून पहुंचाती है।

दक्षिण भारत के 5 हिल स्टेशन

सर्दियों में बनाइए यादगार छुट्टियां, महिलाओं के लिए खास

अगर आप भी इस सर्दियों में किसी खास ट्रिप पर जाने का प्लान कर रही हैं और बेस्ट डेस्टिनेशन की तलाश कर रही हैं। तो आज हम आपको दक्षिण भारत की 5 ऐसे हिल स्टेशन के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर जाकर आप अपनी ट्रिप को यादगार बना सकती हैं।

सर्दियों का मौसम शुरू हो गया है। इस मौसम में ज्यादातर महिलाएं घूमने का प्लान करती हैं। खासकर सर्दियों की छुट्टियों में अपनी फैमिली के साथ किसी ट्रिप पर निकल जाती हैं। तो वहीं कुछ महिलाएं दोस्तों के साथ ट्रिप प्लान करती हैं। अगर आप भी इस सर्दियों में किसी खास ट्रिप पर जाने का प्लान कर रही हैं और बेस्ट डेस्टिनेशन की तलाश कर रही हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दक्षिण भारत की 5 ऐसे हिल स्टेशन के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर जाकर आप अपनी ट्रिप को यादगार बना सकती हैं। तो आइए जानते हैं इन हिल स्टेशन के बारे में...

थेक्कडी

सर्दियों की छुट्टियों में आप बेस्ट डेस्टिनेशन की तलाश कर रही हैं, तो अपने दोस्तों, फैमिली या पार्टनर के साथ दक्षिण भारत के खूबसूरत हिल स्टेशन थेक्कडी भी जा सकते हैं। यह केरल के इडुक्की जिले में है। आप पेरियार झील पर बोटिंग कर सकती हैं और मसालों के बागान भी देख सकती हैं। इसके अलावा यहां पर क्ललादीपारा हिल व्यू पॉइंट भी एक्सप्लोर कर सकती हैं।

मुन्नार

दक्षिण भारत का मुन्नार हिल स्टेशन बेहद खूबसूरत है। यह पूरे दक्षिण भारत में सबसे अधिक पसंद किए जाने वाला हिल स्टेशन है। यहां पर बिताया हर एक पल यादगार बन जाएगा। आप चाहें तो यहां पर फोटोग्राफी भी कर सकती हैं। सर्दियों में यह जगह किसी स्वर्ग से कम नहीं लगती है। यहां पर आप एराविकुलम नेशनल पार्क, इको पॉइंट और मुट्टुपेट्टी जैसी जगहों को एक्सप्लोर कर सकती हैं। इसके अलावा आप यहां के हरे-भरे चाय का बागानों को भी देख सकते हैं।

येलागिरी

अगर आप दक्षिण भारत की ओर जाने का मन बना रही हैं, तो आप यहां के फेमस और बेहद खूबसूरत येलागिरी हिल स्टेशन भी विजिट कर सकती हैं। यह जगह उन लोगों के लिए बेहद खास है, जिनको भीड़भाड़ से दूर एकांत रहना पसंद है। येलागिरी, तमिलनाडु के तिरुपत्तूर जिले में स्थित है। यहां पर आप पुंगनूर झील में बोटिंग के साथ स्वामी मलाई हिल्स में ट्रेकिंग और जलगमपराई फॉल्स का नजारा देख सकते हैं।

कूर्ग

कुर्ग, दक्षिण भारत का एक खूबसूरत हिल स्टेशन है। यहां पर आप अपने दोस्तों, फैमिली या पार्टनर के साथ जा सकती हैं। सर्दियों की छुट्टियां यागदार बनाने के लिए कुर्ग एक शानदार हिल स्टेशन है। यह कर्नाटक में स्थित है और इसको भारत का स्कॉटलैंड भी कहा जाता है। यहां पर आपको कॉफी के बागानों के साथ खूबसूरत घाटियां भी देखने को मिलेंगी। यहां आने के लिए आप मैसूर, मैंगलोर जा सकती हैं।

वायनाड

सर्दियों की छुट्टियों को यादगार बनाने के लिए दक्षिण भारत के खूबसूरत हिल स्टेशन वायनाड को एक्सप्लोर कर सकते हैं। यह केरल की बेहद खूबसूरत जगह है। यहां की हरियाली और ऐतिहासिक गुफाओं ने पर्यटकों का दिल जीत लिया है। यहां पर आपको चाय और कॉफी के खेत और मसालों के बागान देखने को मिलेंगे। यहां पर आप सोचीपुरा फॉल्स, मीनमुट्टी फॉल्स और एडक्कल गुफाएं आदि को एक्सप्लोर कर सकती हैं।

डिजाइन, रंगत और बनावट ने बनाया लवासा को 'इटली ऑफ इंडिया', हकीकत जानकर चौंक जाएंगे

महाराष्ट्र भी किसी मामले में पीछे नहीं है। यहां पर कई ऐसे शहर हैं, जोकि जन्नत में होने का एहसास कराते हैं। आमतौर पर लोनावला, पुणे, खंडाला और मुंबई का नाम ही लिया जाता है। लेकिन क्या आप लवासा के बारे में जानते हैं।

भारत देश में घूमने के लिहाज से एक से बढ़कर एक कई जगहें मौजूद हैं। कहीं पहाड़ तो कहीं समुद्र, इन जगहों पर पर्यटकों की जबरदस्त भीड़ देखने को मिलती हैं। जब भारत के खूबसूरत राज्यों की बात होती है, तो केरल, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और राजस्थान का नाम जरूर लिया जाता है। वहीं महाराष्ट्र भी किसी मामले में पीछे नहीं है। यहां पर कई ऐसे शहर हैं, जोकि जन्नत में होने का एहसास कराते हैं। आमतौर पर लोनावला, पुणे, खंडाला और मुंबई का नाम ही लिया जाता है। लेकिन क्या आप लवासा के बारे में जानते हैं।

यह महाराष्ट्र का एक खूबसूरत शहर है, जिसको इटली ऑफ इंडिया के नाम से भी जाना जाता है। इसकी वजह सिर्फ खूबसूरती नहीं बल्कि पूरा डिजाइन, रंग और बनावट है। यह पुणे शहर से करीब 60 किमी दूर वेस्टर्न घाट में बसा है। अधिकतर हिल स्टेशन समय के साथ डेवलप हुए हैं। लेकिन लवासा सोच-समझकर प्लान किया गया हिल सिटी प्रोजेक्ट है। इसको शुरूआत से ही खास जगह की तरह बनाया गया था। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको यहां की खूबसूरती के बारे में बताने जा रहे हैं।

हल्के पेस्टल रंग वाली इमारतें

पहाड़ियों के बीच बसा शांत वातावरण

साफ-सुथरी गलियां

झील और समुद्र के किनारे खूबसूरत कैफे

लवासा के प्लानर्स चाहते थे कि इटली का एहसास एक इंडियन हिल सिटी में लाया जाए। इसलिए यहां डिजाइन में यूरोपियन टच साफ देखने को मिलेगा।

यहां की इमारतें इटली जैसी

बता दें कि लवासा का जो हिस्सा सबसे अधिक Portofino जैसा लगता है, वह Dasve Lake का वॉटरफ्रंट है। यहां की इमारतें ठीक वैसे ही कलर की गई हैं, जैसे इटली के गांवों में होती हैं। मस्टर्ड, टेराकोटा, पीच, ब्रिक रेड और ऑलिव ग्रीन जैसे कलर्स को Portofino की ही तरह चुना गया है। आप इसको पहली बार देखेंगी, तो आपको लगेगा कि आप सच में इटली आ गई हैं।

इटली वाला लुक

छोटी-छोटी बालकनियां

टाइल्स वाली छत

पेस्टल प्लास्टर आर्च वाले दरवाजें

कैफे-स्टाइल बैठने की जगह

बनाई गई हैं चौड़ी गलियां

इस जगह की एक खासियत यह भी है कि लवासा में पैदल घूमने के लिए चौड़ी गलियां बनाई गई हैं। जिससे कि लोग झील के किनारे आराम से चल सकें। यह कॉन्सेप्ट भी यूरोप के शहरों से लिया गया है। लवासा को अलग-अलग हिस्सों में बांटा गया है। लेकिन Dasve Town वो जगह है, जो सबसे अधिक Portofino जैसी दिखती है। यहां की बिल्डिंग की ऊंचाई, रंग और पूरा का पूरा स्ट्रक्चर एक खास गाइडलाइन के हिसाब से बनाया गया था, जिससे पूरा लुक इटली जैसा लगे।

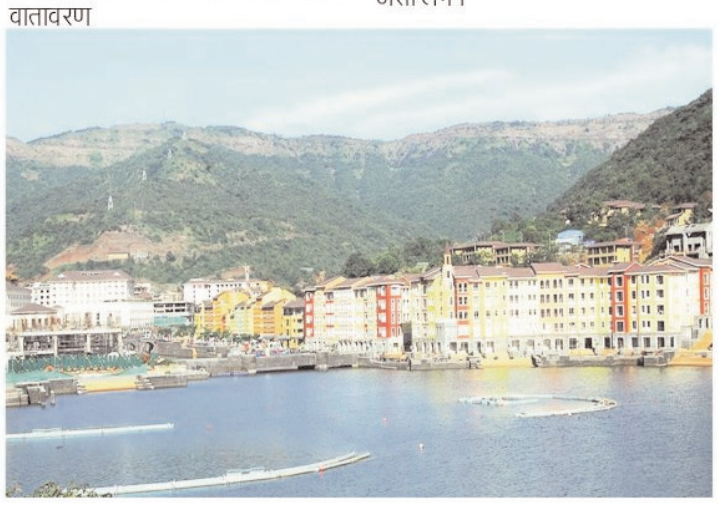

मैं हमेशा अपने खिलाड़ियों के समर्थन में खड़ा रहूंगा: बेन स्टोक्स

नई दिल्ली, एजेंसी। एशेज सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया में मौजूद इंग्लैंड क्रिकेट टीम मैदान पर लगातार निराशाजनक प्रदर्शन की वजह से आलोचना का सामना तो कर ही रही है, दूसरे और तीसरे टेस्ट के बीच कुछ खिलाड़ियों के ज्यादा शराब पीने की वजह से भी विवादों में है। विवादों के बीच इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स अपनी टीम के समर्थन में आए हैं। मेलबर्न टेस्ट से पहले बेन स्टोक्स ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मैं इस पल को अभी कैसे संभालता हूं, यह मेरे लिए सबसे जरूरी है। वहां मौजूद सभी लोगों और शायद कुछ खास लोगों की भलाई मेरे लिए अभी इंग्लैंड के कप्तान के तौर पर सबसे जरूरी है। इस तरह की चीजें, मुझे नहीं पता कि मेरे करीब सही शब्द हैं या नहीं, लेकिन कुछ ऐसा है जिसका मुझे खुद अनुभव है कि यह लोगों पर कैसे असर डाल सकता है। इंग्लैंड के कप्तान के तौर पर मेरा काम अपने खिलाड़ियों को जितना हो सके उतना बचाना है।' उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड के कप्तान के तौर पर मेरा मुख्य काम यह सुनिश्चित करना है कि उन्हें पता चले कि उन्हें मेरा समर्थन है क्योंकि मेरे लिए सबसे जरूरी चीज, अभी यहां बैठे हुए, खिलाड़ियों का एक ग्रुप है जिन्हें मैं इस देश और इस ट्रिप के बाकी हिस्से के लिए बाहर जाकर परफॉर्म करने की कोशिश करने के लिए सबसे अच्छी स्थिति में ला सकूं। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुई थी। इसे 'स्टैग डू' के नाम से प्रचारित किया गया है। इसमें कुछ खिलाड़ी शराब पीते हुए दिखे। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड अभी इंग्लिश टीम के शराब पीने के कल्चर के दावों की जांच कर रहा है, जब बेन डकेट का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वे नशे में दिख रहे थे। इंग्लैंड क्रिकेट टीम एशेज 2025-26 के शुरुआती तीन टेस्ट गंवाकर सीरीज हार चुकी है। इंग्लैंड के खेलने के तरीके पर सभी सवाल उठे हैं। इंग्लैंड के कप्तान का अगला लक्ष्य सीरीज के बचे हुए दो टेस्ट मैचों में अच्छा प्रदर्शन करना है।

जोफ्रा आर्चर एशेज से बाहर, मेलबर्न टेस्ट के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन घोषित

मेलबर्न, एजेंसी। एशेज सीरीज हार चुकी इंग्लैंड को सीरीज के बाकी दो टेस्ट मैचों से पहले बड़ा झटका लगा है। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर एशेज सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह टीम में गस एटकिंसन को जगह दी गई है। मेलबर्न में 26 दिसंबर से शुरू हो रहे चौथे टेस्ट के लिए इंग्लैंड ने प्लेइंग इलेवन की घोषणा कर दी है। जोफ्रा आर्चर साइड स्ट्रेन के कारण सीरीज के बाकी दोनों टेस्ट के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। जोफ्रा ने एडिलेड में गेंदबाजी के साथ-साथ बेहतरीन बल्लेबाजी भी की थी और पहली पारी में अर्धशतक लगाया था। उनका बाहर होना निश्चित तौर पर इंग्लैंड की मुश्किलों को और बढ़ाने वाला है। मेलबर्न टेस्ट के लिए गस एटकिंसन की इंग्लैंड के प्लेइंग इलेवन में वापसी हो गई है।

खेल पेशेवरों के लिए नई इंटर्नशिप नीति लॉन्च

नई दिल्ली, एजेंसी। नई नीति के तहत, युवा मामले और खेल मंत्रालय और इसके प्रमुख संस्थानों में सालाना 452 इंटर्नशिप की पेशकश की जाएगी। इनमें भारतीय खेल प्राधिकरण (साई), राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) और राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) शामिल हैं। युवा मामले और खेल मंत्रालय ने मंगलवार को खेल ईकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए संरचित, बड़े पैमाने का मंच बनाने के उद्देश्य से एक व्यापक इंटर्नशिप नीति लॉन्च की। केंद्रीय खेल मंत्री ने कहा, 'भारत के खेल ईकोसिस्टम में बदलाव के लिए कुशल पेशेवरों और युवा प्रतिभाओं की ओर से समर्थित मजबूत संस्थागत समर्थन की जरूरत है। इस इंटर्नशिप कार्यक्रम के जरिए हम युवाओं के लिए खेल शासन और प्रशासन के द्वार खोल रहे हैं, जिससे वे व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर सकें और खेलों के जरिए राष्ट्र निर्माण में दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकें। 'डॉ. मांडविया के अनुसार, यह कार्यक्रम पेशेवर रूप से प्रशिक्षित लोगों की बढ़ती जरूरत को पूरा करता है। भारत अपने स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार कर रहा है, गवर्नेंस सुधारों को मजबूत कर रहा है और खेल की दुनिया में अपनी पहचान बढ़ा रहा है।

यह पहल युवाओं को भारत की खेल यात्रा में सार्थक योगदान देने के लिए सशक्त बनाएगी। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय खेल नीति और खेलो भारत नीति 2025 के उद्देश्यों के साथ निकटता से जुड़ा हुआ है, जिसमें युवा सशक्तिकरण, क्षमता निर्माण और खेल प्रशासन के व्यवसायीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह नीति भारत के उस दूरगामी दृष्टिकोण का समर्थन करती है.

बिहार के कप्तान सकिबुल गनी ने रचा इतिहास

लिस्ट ए क्रिकेट का सबसे तेज भारतीय शतक लगाया

रांची, एजेंसी। रांची के जेएससीए ओवल ग्राउंड में विजय हजारे ट्रॉफी के अंतर्गत बिहार और अरुणाचल प्रदेश के बीच मुकाबले में बिहार के कप्तान सकिबुल गनी ने लिस्ट ए क्रिकेट का सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। गनी ने विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन का रिकॉर्ड तोड़ा।

पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए सकिबुल गनी ने मात्र 32 गेंद पर शतक लगाया। लिस्ट ए क्रिकेट का ये सबसे तेज भारतीय शतक है। सकिबुल गनी ने 40 गेंदों पर 12 छक्कों और 10 चौकों की मदद से नाबाद 128 रन की पारी खेली। ईशान किशन ने भी बुधवार को कर्नाटक के खिलाफ 33 गेंद पर शतक लगाया। किशन ने 39 गेंद पर 14 छक्कों से सजी 125 रन की पारी खेली।

लिस्ट ए क्रिकेट में अनमोलप्रीत सिंह ने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ ही 21 दिसंबर 2024 को 35 गेंद में शतक लगाया था। वैभव सूर्यवंशी ने इसी मैच में 36 गेंद पर शतक लगाया है। युसूफ पठान ने 2010 में महाराष्ट्र के खिलाफ 10 गेंदों पर शतक लगाया है।

बिहार ने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ लिस्ट ए क्रिकेट का सबसे बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बिहार ने 6 विकेट पर 574 रन बनाए। कप्तान सकिबुल गनी के अलावा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए आयुष लोहारुका ने भी शतक लगाया। पारी की शुरुआत करने आए वैभव सूर्यवंशी ने सिर्फ 36 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और 84 गेंदों पर 15 छक्के और 16 चौकों की मदद से 190 रन की पारी खेली। वैभव के पास दोहरा शतक लगाने का पूरा मौका था, लेकिन वह 27वें ओवर की चौथी गेंद पर आउट हो गए। वहीं आयुष ने 56 गेंदों पर 8 छक्के और 11 चौकों की मदद से 116 रन बनाए। इसके अलावा पीयूष सिंह ने 66 गेंदों पर 77 और मंगल महरोर ने 43 गेंदों पर 33 रन बनाए। लिस्ट ए क्रिकेट में पूर्व का सबसे बड़ा स्कोर तमिलनाडु के नाम था। तमिलनाडु ने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ ही 2022 में 2 विकेट पर 506 रन बनाए थे। इसके बाद इंग्लैंड है। नीदरलैंड के खिलाफ 2022 में इंग्लैंड ने 4 विकेट पर 498 रन बनाए थे। सरे ने ग्लौक्स के खिलाफ 2007 में 4 विकेट पर 496 रन बनाए थे।

लिस्ट ए में अब सरे चौथे नंबर पर चली गई है। इंग्लैंड पांचवें नंबर पर है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंग्लैंड ने 2018 में 6 विकेट पर 481 रन बनाए थे।

भारत-न्यूज़ीलैंड:

भारत दौरे के लिए न्यूज़ीलैंड टीम का ऐलान, केन विलियमसन को आराम

नई दिल्ली, एजेंसी। जनवरी 2026 में भारत दौरे पर आने वाली न्यूजीलैंड टीम का ऐलान हो गया है। ब्लैककैप्स इस बार तीन वनडे और पांच टी20 मुकाबलों की व्हाइट-बॉल सीरीज खेलने भारत आएंगे। हालांकि टीम में बड़े बदलाव देखने को मिले हैं, क्योंकि स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन इस सीरीज में आराम पर रहेंगे। इसके साथ ही टीम में चार अनकैप्ड खिलाड़ियों को शामिल कर न्यूजीलैंड ने युवा प्रतिभाओं को मौका दिया है, जो इस दौरे को और रोमांचक बनाने वाले हैं।

न्यूजीलैंड ने अनकैप्ड लेफ्ट-आर्म ऑर्थोडॉक्स स्पिनर जेडन लेनॉक्स को पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल किया है। इसके अलावा क्रिस्टियन क्लार्क, आदी अशोक, जोश क्लार्कसन और निक केली को भी वनडे स्क्वॉड में जगह दी गई है। हाल ही में टेस्ट डेब्यू करने वाले माइकल रे को भी टीम में शामिल किया गया है।

केन विलियमसन क्यों नहीं हैं टीम में

न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन भारत के खिलाफ इस व्हाइट-बॉल सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। दरअसल, वह ट्र20 लीग में अपनी प्रतिबद्धताओं के कारण उपलब्ध नहीं हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने स्पष्ट किया कि विलियमसन वनडे चयन के लिए अनुपलब्ध रहे।

कोच रॉब वॉल्टर ने क्या कहा

हेड कोच रॉब वॉल्टर ने जेडन लेनॉक्स को लेकर कहा कि टीम मैनेजमेंट काफी समय से उन पर नजर

रखे हुए था। उन्होंने घरेलू व्हाइट-बॉल क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और न्यूजीलैंड 'ए' टीम के लिए भी अहम अनुभव हासिल किया है। वॉल्टर के मुताबिक, लेनॉक्स में ब्लैककैप्स के लिए नियमित प्रदर्शन करने की पूरी क्षमता है।

अन्य अहम खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी

चोट के चलते नाथन स्मिथ (साइड स्ट्रेन), ब्लेयर टिकनर (कंधा) और मार्क चैपमैन (टखना) को वनडे टीम में शामिल नहीं किया गया है। हालांकि, मार्क चैपमैन के टी20 सीरीज तक फिट होने की उम्मीद है। वहीं, बेन सियर्स भी अभी रिकवरी में हैं, जिस वजह से उन्हें वनडे स्क्वॉड में जगह नहीं मिली है।

भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड की वनडे टीम

माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), आदी अशोक, क्रिस्टियन क्लार्क, जोश क्लार्कसन, डेवोन कॉनवे (विकेटकीपर), जैक फॉल्क्स, मिच हे, काइल जैमीसन, निक केली, जेडन लेनॉक्स, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, ग्लेन फिलिप्स, माइकल रे, विल यंग।

भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड की टी20 टीम

मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे (विकेटकीपर), जैकब डफी, जैक फॉल्क्स, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, बेवन जैकब्स, डेरिल मिचेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, टिम रॉबिन्सन, ईश सोढ़ी।

वनडे सीरीज का कार्यक्रम–

पहला वनडे: 11 जनवरी 2026
दूसरा वनडे: 14 जनवरी 2026
तीसरा वनडे: 17 जनवरी 2026

वनडे के बाद टी20 सीरीज–

पहला टी20: 20 जनवरी 2026
दूसरा टी20: 22 जनवरी 2026
तीसरा टी20: 24 जनवरी 2026
चौथा टी20: 26 जनवरी 2026
पांचवां टी20: 28 जनवरी 2026

राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप:

रमिता-हिमांशु का शानदार प्रदर्शन

भोपाल, एजेंसी। रमिता जिंदल और हिमांशु ढिल्लों ने राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। इन दोनों ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। हरियाणा की रमिता जिंदल और हिमांशु ढिल्लों ने मंगलवार को भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में महाराष्ट्र की आर्य बोरसे और पार्थ माने की जोड़ी को 16-12 से हराकर 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

इस जीत के साथ ही ढिल्लों का दबदबा कायम रहा, जिन्होंने सोमवार को पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में 634.5 का राष्ट्रीय और जूनियर रिकॉर्ड बनाया था। दिल्ली की राजश्री संचेती और पार्थ मखीजा ने मध्य प्रदेश की श्रेया अग्रवाल और ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर की जोड़ी के खिलाफ 17-15 की जीत के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया।

रोहित-कोहली के बाद अब शुभमन गिल भी खेलेंगे घरेलू क्रिकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल 2025-26 सीजन के बाकी हिस्से में घरेलू क्रिकेट में व्यस्त नजर आएंगे। टी20 वर्ल्ड कप 2026 की टीम से बाहर किए जाने और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज का बड़ा हिस्सा मिस करने के बाद गिल को पंजाब की विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 टीम में शामिल किया गया था। अब रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह पंजाब के लिए रणजी ट्रॉफी 2025-26 के शेष दो मुकाबले भी खेलेंगे।

विजय हजारे के दो मैच, फिर रणजी में वापसी

एक रिपोर्ट के अनुसार, गिल अगले साल विजय हजारे ट्रॉफी के दो मैच खेलेंगे–3 जनवरी को सिक्किम और 6 जनवरी को गोवा के खिलाफ, दोनों मुकाबले जयपुर में होंगे। इसके बाद वह न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन वनडे की सीरीज के लिए भारतीय टीम से जुड़ेंगे। वहीं, जब भारत टी20ढ्ढ सीरीज खेलेगा, तब गिल पंजाब के लिए सफेद जर्सी में रणजी ट्रॉफी के ग्रुप मैच खेलते दिखेंगे। रणजी ट्रॉफी 2025-26 का फिर से आगाज 22 जनवरी से होगा, जब पंजाब ग्रुप-बी में राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में सौराष्ट्र से भिड़ेगा। इसके बाद 29 जनवरी से मल्लनपुर में कर्नाटक के खिलाफ मुकाबला होगा। फिलहाल पंजाब 5 मैचों में 11 अंकों के साथ छठे स्थान पर है और सिर्फ एक जीत दर्ज कर सका है। अगर टीम अपने बचे दोनों मैच जीतती है, तो क्वार्टरफाइनल में पहुंचने की उम्मीद बनी रह सकती है। नॉकआउट चरण 6 फरवरी से शुरू होना है–ऐसे में गिल का टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान भी रणजी खेलना संभव है। टेस्ट में 2025 के टॉप रन-स्कोरर बनने की दहलीज पर गिल

शुभमन गिल 2025 में टेस्ट क्रिकेट के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बनने की ओर बढ़ रहे हैं। 9 टेस्ट में उन्होंने 70.21 की औसत से 983 रन बनाए हैं, जिसमें 5 शतक और एक अर्धशतक शामिल है। कप्तान के तौर पर इंग्लैंड दौरे पर उनका प्रदर्शन खास रहा। हालांकि बॉक्सिंग डे टेस्ट के बाद जो रूट, ट्रैविस हेड, एलेक्स केरी, हैरी ब्रूक और बेन डकेट उनके आंकड़े के करीब पहुंच सकते हैं, लेकिन फिलहाल बढ़त गिल के पास है।.

वैभव सूर्यवंशी का 36 गेंद पर शतक

विजय हजारे ट्रॉफी में 14 साल के बल्लेबाज ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। वैभव सूर्यवंशी के लिए साल 2025 कमाल का साबित हो रहा है। विजय हजारे ट्रॉफी ही एक ऐसा प्लेटफॉर्म था जहां उनका शतक आना बाकी था इस साल। अब यह भी 14 साल के बल्लेबाज ने कर दिखाया है। बिहार के लिए खेलते हुए वैभव ने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ पहले मुकाबले में 36 गेंद पर शतक ठोक दिया। यह लिस्ट ए में किसी भी भारतीय का दूसरा सबसे तेज शतक है। वैभव ने 84 गेंद पर 190 रन बनाए जिसमें 16 चौके और 15 छक्के शामिल थे। ओवरऑल लिस्ट ए में सबसे तेज शतक लगाने के मामले में वैभव सूर्यवंशी शाहिद अफरीदी से आगे निकल गए हैं। इस लिस्ट में दिग्गज एबी डिविलियर्स दूसरे स्थान पर हैं और टॉप पर हैं ऑस्ट्रेलिया के जेक फ्रेजर मैकगर्क जिन्होंने 29 गेंद पर लिस्ट ए में अब तक का सबसे तेज शतक ठोका था। वैभव लिस्ट ए में शतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी बने जिन्होंने 14 साल 272 दिन की उम्र में यह कारनामा किया।

वैभव सूर्यवंशी के लिए लाजवाब 2025

14 साल के भारतीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के लिए साल 2025 किसी सपने से कम नहीं रहा है। आईपीएल में पहला एक्सपोजर मिला वहां उन्होंने आतिशी शतक ठोक सुर्खियां बटोरीं। उसके बाद यूथ वनडे, यूथ टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ बेहतरीन बल्लेबाजी की और इस दौरे पर भी शतक ठोका। फिर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर यूथ सीरीज में शतक लगाया। इंडिया ए के लिए एशिया कप में शतक ठोका, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में शतक लगाया उसके बाद अंडर 19 एशिया कप में भी उन्होंने शतक लगाया, उसके बाद अब विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में भी सूर्यवंशी का तूफान देखने को मिला है। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ यह पारी खेलते हुए अपना नाम खास रिकॉर्ड की लिस्ट में शामिल कर लिया।

सूर्यकुमार यादव के लिए 'अग्निपरीक्षा' से कम नहीं न्यूजीलैंड सीरीज, बयानों से नहीं बल्ले से देना होगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। यह वह लाइन है, जिस पर सूर्यकुमार यादव पिछले कुछ महीनों से बार-बार भरोसा जताते रहे हैं.

मानो इसे ज़ोर से कहने से उनके पैरों के नीचे की ज़मीन स्थिर हो जाएगी. उन्होंने पहली बार यह बात सितंबर में एशिया कप की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही थी, जब बातचीत का रुख पहले ही बदलने लगा था. इसके बाद उन्होंने धर्मशाला में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 के बाद भी यही दोहराया. हर बार संदेश एक जैसा और थोड़ी राहत देने वाला था. मेहनत सही है, इरादा नहीं बदला है और रन अपने समय पर आ जाएंगे.

पहले सूर्या ने कहा, 'मैं नेट्स में बहुत अच्छी बल्लेबाज़ी कर रहा हूं. जो मेरे नियंत्रण में है, वह सब कर रहा हूं.' फिर उन्होंने कहा, 'जब रन आने होंगे, तो ज़रूर आएंगे. मैं फॉर्म से बाहर नहीं हूं, लेकिन रन नहीं बन रहे हैं.' आखिरकार रविवार को उनका लहजा और तीखा हो गया. जब उन्होंने कहा, 'मेरे 14 सैनिक फिलहाल मुझे कवर कर रहे हैं. उन्हें पता है, जिस दिन मैं फट पड़ा, क्या होगा.'

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक
उजाला संचार

काशी विश्वनाथ मंदिर में स्पर्श दर्शन पर रोक, श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए फैसला

वाराणसी। शीतकालीन छुट्टियों की वजह से वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर में भक्तों की संख्या में इजाफा देखने को मिल रहा है। नववर्ष से पहले भी भक्त दूर-दूर से दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। मंदिर में बढ़ती श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने प्रोटोकॉल दर्शन पर रोक लगा दी है और अब भक्तों को बाबा विश्वनाथ के झांकी दर्शन ही हो पाएंगे। यह फैसला श्रद्धालु की सुविधा के लिए ही लिया गया है। काशी विश्वनाथ मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा और दर्शन को सुलभ बनाने के लिए स्पर्श दर्शन पर रोक लगा दी है। अब दूर से बैरिकेड के जरिए ही भक्त बाबा विश्वनाथ के दर्शन कर पाएंगे। यह रोक शीतकालीन छुट्टियों में बढ़ती भीड़ की वजह से लगाई गई है।

प्रशासन की तरफ से जारी जानकारी में कहा गया है कि मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की अप्रत्याशित भीड़ देखी जा रही है। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुविधापूर्वक दर्शन के लिए प्रशासन की तरफ से कुछ निर्णय

लिए गए हैं, जिन्हें 25 दिसंबर से लागू किया गया है। इसमें प्रोटोकॉल दर्शन पर अस्थायी रोक लगाने का फैसला लिया गया है। अब भक्त सुरक्षा में लगे बैरिकेड से ही बाबा विश्वनाथ के झांकी दर्शन करेंगे। उन्होंने भक्तों से अपील की है कि सभी मंदिर प्रशासन का सहयोग करें और बिना धक्का-मुक्की के आराम से दर्शन करें।

मंदिर प्रशासन ने साफ कर दिया है कि दर्शन के लिए किसी विशेष प्रकार की सुविधा नहीं दी जाएगी। भीड़ को देखते हुए वीआईपी दर्शन पर भी रोक लगा दी गई है।

प्रशासन की मानें तो साल के आखिरी दिन और नए साल के पहले दिन मंदिर में 6 लाख तक श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। भक्तों की सुरक्षा के लिए प्रशासन और मंदिर समिति की तरफ से कई चेकिंग पाइंट्स भी बनाए गए हैं। वहीं, चेकिंग पाइंट्स बनाए गए हैं, जहां फुटफॉल काउंटर्स हैं, जिसकी सहायता से मंदिर में दर्शन करने पहुंच रहे श्रद्धालुओं की गिनती होती रहे। परिसर के अंदर और बाहर भी सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई। हर तरह की परेशानी से निपटने के लिए सुरक्षाकर्मी मदद के लिए तैनात हैं।

मैदागिन में श्रद्धालुओं को किया गया तुलसी पौधों का वितरण

वाराणसी। तुलसी पूजन दिवस के अवसर पर 25 दिसंबर गुरुवार को मैदागिन स्थित श्री श्री 1008 श्री पाताल भूमि हनुमान बालाजी महाराज परिसर में तुलसी पूजन एवं तुलसी पौधा वितरण का कार्यक्रम श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन प्रातः 9:30 बजे किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए।

धार्मिक आस्था और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

कार्यक्रम के दौरान विधि-विधान से तुलसी पूजन किया गया। इसके साथ ही उपस्थित श्रद्धालुओं को तुलसी के पौधे वितरित किए गए। आयोजकों ने बताया कि तुलसी न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण और

स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। इस पहल के माध्यम से लोगों को घर-घर तुलसी लगाने और उसकी सेवा करने के लिए प्रेरित किया गया।

मुख्य अतिथि सहित कई गणमान्य रहे मौजूद

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अम्बरीष सिंह भोला, वाराणसी मंडल प्रभारी एवं वीडीए सदस्य उपस्थित रहे। उनके साथ महानगर अध्यक्ष अजय सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सनी गुप्ता, महानगर मंत्री मनीष वर्मा एवं नीतीश सिंह भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

लाल गिरजाघर में क्रिसमस का उल्लास

धूमधाम से मनाया जा रहा प्रभु यीशु का जन्मोत्सव, प्रार्थना में शामिल होने उमड़े अनुयायी

वाराणसी। नदेसर स्थित लाल गिरजाघर में प्रभु यीशु का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। लोगों में क्रिसमस को लेकर उल्लास है। सुबह से ही गिरजाघर में विशेष प्रार्थना सभाओं का आयोजन हुआ, जहां प्रभु यीशु के संदेश प्रेम, करुणा और क्षमा को स्मरण किया गया। गिरजाघर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था और भक्तों ने मोमबत्तियां जलाकर

शांति व सद्भाव की कामना की। गिरजाघर के पादरी ने क्रिसमस के अवसर पर शांति और खुशियों का संदेश दिया।

गिरजाघर के इंचार्ज देवरन इकबाल मसीह ने सभी को प्रभु यीशु के नाम में बड़े दिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रभु यीशु का आगमन मानवता के लिए आशा, प्रेम और पापों से मुक्ति का संदेश लेकर आया है। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की दीघार्यु की कामना करते हुए देश में व्याप्त जातिवाद और विभिन्न सामाजिक परेशानियों के अंत के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि मसीही समाज की कामना है कि सभी बुराइयां समाप्त हों और देश में अमन-चैन, भाईचारा और शांति कायम रहे।

प्रशंसा ने कहा कि क्रिसमस के अवसर पर चर्च में प्रार्थना की। इस दौरान एक-दूसरे से मिलकर खुशियां साझा की। सभी लोगों का अपना विश्वास और आस्था है।

एडवोकेट चंद्रकला ने कहा कि प्रभु यीशु ने मानवता के कल्याण के लिए खुद को क्रूस पर चढ़वाया। ताकि लोग शांति, खुशियों और आनंद के साथ जी सकें।

दया सात्विकी ने कहा कि प्रभु यीशु मानवता के कल्याण और पापों के अंत के लिए इस धरती पर आए।

इस दिन हम सभी को खुशी और आनंद के साथ एक-दूसरे से भाईचारे के साथ जीना चाहिए।

महामना की जयंती पर बीएचयू में प्रकृति, विज्ञान और अध्यात्म का संगम, तीन दिवसीय भव्य पुष्प प्रदर्शनी का शुभारंभ

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय स्थित मालवीय भवन में गुरुवार को विश्वविद्यालय परिवार की ओर से महामना पंडित मदन मोहन मालवीय की जयंती के अवसर पर तीन दिवसीय भव्य पुष्प प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। यह प्रदर्शनी न केवल बीएचयू की समृद्ध शैक्षणिक और सांस्कृतिक परंपरा को दशार्ती है, बल्कि विज्ञान, प्रकृति और आध्यात्मिकता के सुंदर समन्वय का भी जीवंत उदाहरण प्रस्तुत कर रही है।

400 से अधिक पुष्प और साग-भाजी की आकर्षक प्रदर्शनियां

पुष्प प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों और विभागों द्वारा लगभग 400 प्रकार के पुष्पों एवं साग-भाजी की आकर्षक प्रदर्शनियां लगाई गई हैं। इन प्रदर्शनियों का मूल्यांकन विशेषज्ञ जजों द्वारा किया जाएगा, जिसके आधार पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। महीनों की मेहनत और सतत

देखभाल से तैयार यह प्रदर्शनी हर वर्ष दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहती है।

पहले ही दिन उमड़ी दर्शकों की भारी भीड़

तीन दिनों तक चलने वाली इस पुष्प प्रदर्शनी को देखने के लिए हर वर्ष बड़ी संख्या में छात्र, शिक्षक, कर्मचारी और आम नागरिक मालवीय भवन पहुंचते हैं। इस वर्ष भी उद्घाटन के पहले ही दिन प्रदर्शनी में भारी भीड़ देखने को मिली, जिससे परिसर उत्सव के रंग में रंग गया।

कुलपति ने किया उद्घाटन, नवाचारों की सराहना

उद्घाटन समारोह में काशी हिंदू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजीत चतुर्वेदी ने फीता काटकर पुष्प प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षक और कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। उद्घाटन के बाद कुलपति ने पुष्प एवं साग-भाजी प्रदर्शनी का अवलोकन किया और कलात्मक व नवाचारी प्रयोगों की खुले दिल से प्रशंसा की।

पुष्पों से इसरो की प्रतिकृति बनी आकर्षण का केंद्रः कुलपति प्रो. अजीत चतुर्वेदी ने कहा कि बीएचयू में विज्ञान, चिकित्सा, संस्कृति और आध्यात्मिकता का समन्वित अध्ययन और अनुसंधान होता है। इसी भावना के अनुरूप इस वर्ष उद्यानिकी विभाग द्वारा पुष्पों से इसरो की प्रतिकृति और कलश का निर्माण किया गया है, जो विज्ञान और अध्यात्म के अद्भुत मेल को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी केवल सौंदर्य तक सीमित नहीं है, बल्कि ज्ञान और विज्ञान के माध्यम से समाज को संदेश देने का प्रभावी माध्यम भी है।

महामना की विचारधारा को जीवंत करती प्रदर्शनी

महामना मालवीय जयंती के अवसर पर आयोजित यह पुष्प प्रदर्शनी बीएचयू की रचनात्मकता, अनुशासन और सामूहिक प्रयासों का सशक्त उदाहरण है। यह आयोजन एक बार फिर यह दशार्ता है कि बीएचयू केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और मूल्यों का जीवंत प्रतीक भी है।

प्रधानमंत्री की प्रेरणा से काशी में सजेगा वॉलीबॉल का महाकुंभ, तैयारियों को महापौर ने परखा

72वीं सीनियर नेशनल चैंपियनशिपः सिगरा स्टेडियम में 4 से 11 जनवरी तक भिड़ेंगी देशभर की 73 टीमें

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खेलो इंडिया विजन और उनकी विशेष प्रेरणा से काशी अब खेल जगत के मानचित्र पर अपनी चमक बिखेरने को तैयार है। आगामी 4 से 11 जनवरी 2026 तक सिगरा स्थित डॉ. संपूणार्नंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में 72वीं सीनियर राष्ट्रीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप (पुरुष एवं महिला) का भव्य आयोजन होगा। गुरुवार को महापौर अशोक कुमार तिवारी ने आयोजन स्थल का निरीक्षण किया और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर तैयारियों की रूपरेखा तैयार की।

काशी की सांस्कृतिक विरासत का होगा प्रदर्शन

महापौर ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री की प्रेरणा से वाराणसी को इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप की मेजबानी का गौरव प्राप्त हुआ है। यह पहली बार है जब पूर्वांचल में इस स्तर की सीनियर नेशनल चैंपियनशिप होने जा रही है, जो काशी की सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक खेल अधोसंरचना के समन्वय को प्रदर्शित करेगा। बैठक में महापौर ने खिलाड़ियों, कोच व अन्य आगंतुकों के रहने

और खान-पान की अंतरराष्ट्रीय स्तर की व्यवस्था करने का कड़ा निर्देश दिया।

कड़े सुरक्षा घेरे में होंगे मुकाबले, नंदू-नीरा का दिखेगा क्रेज

इस आयोजन को खास बनाने के लिए नंदी से प्रेरित नंदू और गंगा डॉल्फिन नीरा को शुभंकर बनाया गया है। खेल की सुचिता बनाए रखने के लिए खिलाड़ियों का औचक एंटी-डोपिंग टेस्ट भी किया जाएगा। महापौर ने स्टेडियम की सुविधाओं, दर्शक दीर्घा, सुरक्षा और स्वच्छता को लेकर अधिकारियों को समयबद्ध कार्य पूर्ण करने का अल्टीमेटम दिया है। समीक्षा बैठक में मुख्य रूप से आरके चौधरी, अशोक अग्रवाल, आरके ओझा, अभिमन्यु सिंह, दिलीप शाह, अभिनव पांडेय और आयोजन समिति के सचिव सर्वेश पांडेय सहित खेल जगत से जुड़े अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

चैंपियनशिप की खास बातें

दिग्गज टीमों का जमावड़ाः पुरुषों की 37 और महिलाओं की 36 टीमें (कुल 1022 खिलाड़ी) हिस्सा लेंगी। खेल का नया केंद्रः यह आयोजन काशी को देश के बड़े खेल केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। लाइव प्रसारणः दुनिया भर के खेल प्रेमी FGSNPRO YouTube Channel पर मैचों का सीधा आनंद ले सकेंगे।

सांस्कृतिक झलकः उद्घाटन व समापन समारोह में काशी की लोक संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी।

काशी में अगले तीन दिन तक कोल्ड डे की चेतावनी

इसके बाद ठंड के साथ हो सकती है हल्की बारिश

वाराणसी। वाराणसी में ठंड का कहर जारी है। बृहस्पतिवार की सुबह घने कोहरे और गलन के साथ हुई। हालांकि दिन चढ़ने के साथ कोहरा तो छंटा लेकिन गलन बरकरार रही। उधर, सात दिन बाद बुधवार को काशी को कोहरे से राहत मिली। मौसम विज्ञान के मुताबिक दृश्यता 500 मीटर से अधिक रही। वहीं तापमान भी बाकी दिनों के मुकाबले अधिक रहा। बुधवार का पारा मंगलवार के मुकाबले करीब तीन डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा। रात का तापमान सामान्य से 2.6 डिग्री सेल्सियस ऊपर 11.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं दिन का अधिकतम तापमान सामान्य से 4.1 डिग्री कम 18.5 डिग्री सेल्सियस रहा।

यूपी आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक बनारस में अगले तीन दिनों के लिए कोहरे और कोल्ड डे का यलो अलर्ट जारी किया गया है। काशी में करीब एक सप्ताह बाद दिन में 11 बजे के बाद धूप खिली।

विश्वकर्मा वंशी भारत के पूर्व राष्ट्रपति स्व० ज्ञानी जैल सिंह जी की पुण्य तिथी पर विश्वकर्मा समाज के लोगो ने आज चौकाघाट स्थित विश्वकर्मा पंचायती बाग में भावपूर्ण श्रधाजंली अर्पित किया।

धूमधाम से संपन्न हुआ काशी के कोतवाल बाबा काल भैरव का वार्षिक श्रृंगार, उमड़ा भक्तों का सैलाब

वाराणसी। काशी के कोतवाल कहे जाने वाले बाबा काल भैरव मंदिर में वार्षिक श्रृंगार और अन्नकूट का भव्य आयोजन बड़े ही श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल में डूबा नजर आया और बाबा के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

मंदिर के महंत योगेश्वर बाबा काल भैरव ने बताया कि परंपरा के अनुसार हर वर्ष बाबा का वार्षिक श्रृंगार और अन्नकूट उत्सव मनाया जाता है। इस दौरान श्री श्री बाबा 1008 श्री काल भैरव जी को 56 भोग अर्पित किए गए, जिनमें विभिन्न प्रकार के फल, मिष्ठान, मदिरा सहित अन्य प्रसाद शामिल रहे। बाबा को विशेष वस्त्र धारण

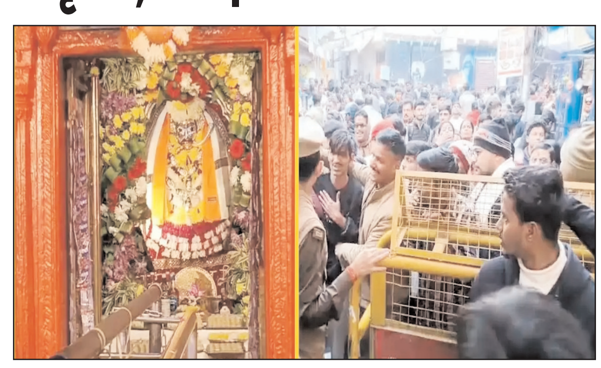

कराए गए और विधिवत श्रृंगार आरती संपन्न की गई।

श्रृंगार और आरती के बाद भक्तों के दर्शन के लिए मंदिर का कपाट खोल दिया गया। बाबा के अलौकिक स्वरूप के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं। भक्त जयकारे लगाते हुए बाबा से सुख-समृद्धि और सुरक्षा की कामना करते नजर आए। महंत ने बताया कि वार्षिक श्रृंगार के अवसर पर रात्रि 11 बजे तक दर्शन-पूजन का क्रम जारी रहा। देर रात तक बाबा काल भैरव के दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ मंदिर परिसर में बनी रही, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिभाव और आस्था के रंग में रंगा दिखाई दिया।

उजाला संचार NEWS
NEW VIDEOS EVERYDAY
उजाला संचार यूट्यूब चैनल
सब्सक्राइब करें, लाइक करें, कमेंट करें और ज्यादा से ज्यादा शेयर करें, ताकि सच हर दिल तक पहुँचे
youtube.com/@ujalasanchar
सब्सक्राइब करें – ताकि कोई बड़ी खबर न छूटे!
लाइक करें – आपकी पसंद हमें और बेहतर बनाती है!
कमेंट करें – अपनी राय हमारे साथ शेयर करें!
शेयर करें – सच की खबर को और आगे पहुँचाएँ!
SUBSCRIBE
AND ENABLE NOTIFICATIONS

उजाला संचार - मुद्रक, प्रकाशक, प्रधान संपादक **महेंद्र कुमार सोनकर** द्वारा मीडिया टेक्स्ट, प्रा.लि. गोबिंदपुर, जीटी रोड, रोहनिया (वाराणसी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। भिखारीपुर, बीएलडब्ल्यू, शहर वाराणसी, (उ.प्र.)। संपर्क : 0542-4059021, 9696104265, 9696104269
समाचार पत्र में प्रकाशित खबरों के लिए समस्त वाद वाराणसी न्यायाल के अधीन होंगे।